



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 75]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 17, 2009/माघ 28, 1930

No. 75]

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 17, 2009/MAGHA 28, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 2009

प्रारंभिक जाँच परिणाम

**विषय :** चीन जन. गण. और हांगकांग के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित फ्लैक्स फैब्रिक्स के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जाँच ।

सं. 14/8/2008-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

2. मै. जयश्री टैक्सटाइल (आदित्य बिरला नूवो लि. की एक इकाई) इंडिया (जिसे एतद्पश्चात आवेदक कहा गया है) ने 7 अन्य विनिर्माताओं के समर्थन से 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) तथा उसकी सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियम कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें चीन जन. गण. और हांगकांग के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित फ्लैक्स फैब्रिक्स के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी जाँच की शुरुआत तथा संबद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने का अनुरोध किया गया है ।

3. और प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की ओर से आवेदन द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य की उनकी पर्याप्तता और सत्यता की जाँच करने के बाद उनके आधार पर दिनांक 3 अक्टूबर, 2008 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जिसके अनुसार कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और उसके प्रभाव के निर्धारण के लिए और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए नियमावली के उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच की शुरुआत की गई थी ।

**प्रक्रिया**

4. इस जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :

- (i) प्राधिकारी ने संबंधित नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच की शुरुआत करने से पहले आवेदक द्वारा प्रस्तुत पाटन संबंधी आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित चीन के दूतावास और हांगकांग के लिए भी भारत में स्थित चीन के दूतावास को अधिसूचित किया;
- (ii) प्राधिकारी ने दिनांक 3 अक्टूबर, 2008 को भारत स्थित चीन के दूतावास और निर्यातों और आयातों के लिए उचित व्यापार ब्यूरो के महानिदेशक विदेश व्यापार और आर्थिक सहयोग मंत्रालय, चीन और हांगकांग के लिए भी भारत स्थित चीन के दूतावास और व्यापार तथा उद्योग विभाग, हांगकांग, आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्तों के अनुसार संबद्ध देशों से ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भेजी थीं और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था ।
- (iii) प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित चीन के दूतावास तथा आयातों और निर्यातों के लिए उचित व्यापार ब्यूरो के महानिदेशक, विदेश व्यापार और आर्थिक सहयोग मंत्रालय, चीन और हांगकांग के लिए भी भारत स्थित चीन के दूतावास और हांगकांग के व्यापार और उद्योग विभाग को आवेदन के अगोपनीय अंश की प्रतियां संबंधित नियम 6 के अनुसार उपलब्ध कराई थीं ।
- (iv) भारत स्थित चीन के दूतावास और आयातों और निर्यातों के लिए उचित व्यापार ब्यूरो के महानिदेशक, विदेश व्यापार और आर्थिक सहयोग मंत्रालय, चीन और हांगकांग के लिए भी भारत में चीन के दूतावास और हांगकांग के व्यापार और उद्योग विभाग को नियम 6 के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया था और उनसे उनके देश के निर्यातकों/उत्पादकों से प्रश्नावली का निर्धारित समयावधि के भीतर जवाब देने का अनुरोध करने के लिए कहा गया था । निर्यातकों/उत्पादकों को भेजे गए पत्रों और प्रश्नावली की एक प्रति निर्यातकों के नामों और पत्तों के साथ भी भेजी गई थी ।
- (v) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों से संगत सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावली भेजी थी;

निर्यातक:

3

1. यांगसिन युआनडाँग टेक्सटाइल कं.  
स. 8-140, फूसान रोड, यांगसिन,  
हआंगसी, हुबेई, चीन
2. चांगसू टोंघे ग्रुप कंपनी लि.  
स. 28, मियाओडाँग रोड, मियाक्वान टाउन,  
चेंगसू, जियानसू, चीन.जन.गा.
3. हुनान हुवासेंग इंडस्ट्रीयल एंड ट्रेडिंग  
कं.लि.  
420, तीसरा सैक्सन, मिडिल फरोंग रोड,  
चेंगशा, हुनान, चीन
4. मेंगईन कॉटन टेक्सटाइल कं. लि.  
स. 66 वेनहेर रोड, मेंगीन सिटी,  
मेंगीन प्रोविन्स, शेंनडोंग, चीन जन.गण.
5. सुझाऊ झेनलोंग टेक्सटाइल कं.लि.  
नैनजिन एरिया, हुआंगकियो टाउन,  
जियांगचेंग, सुझाऊ जियांगसू, चीन
6. हरबिन चाउलोंग फ्लैक्स कं. लि.  
नानगांग जिला, हरबिन हिलोंग जियांग,  
प्रोविन्स, 28 वें युसान रोड पर, चीन जन.गण.
7. पालिटैक्स लाइनेन कॉटन लि.  
ब्लॉक सीडीई-20/एफ, एक्सेलसियर  
बिल्डिंग,  
68-76, शा सूई रोड, शूएनवान एन टी  
हांगकांग
8. जियांगशू फंजिया फ्लैक्स टेक्सटाइल मिल  
कं. लि.  
झेन, झाउसी सुझाऊ, जियांगसू,  
चीन जन.गण.
9. एच के झिसूंग इंटरनेशन इंडस्ट्री लि.  
फ्लैट आरएमबी, 8/एफ, चोंगमिंग बिल्डिंग,  
72, चेंगशावान रोड,  
केआई, हांगकांग
10. सुझाऊ नान्या ग्रुप-1  
चेनझोंग रोड, जियांगचेंग टाउन  
जियांगचेंग जिला, सुझाऊ जियांगसू  
चीन.जन.गण.
11. बिनफेनजुआंग फैब्रिक कं.लि  
सं.102-105, बी एफ1., टियानहुई,  
स्क्वेयर, वांगशांग रोड, चायना टेक्सटाइल  
सिटी, शाओजिंग, झेजियांग, चीन
12. किकीहर झोंग टियांन टेक्सटाइल कं.लि.  
नं. 170, हैपिंग रोड, फलायरजी जिला,  
किकीहर, हिलोन जियांग, चीन
13. हआफेंग रामी टेक्सटाइल कं. लि.  
201# 2 बिल्डिंग जिनहू सिटी होमलैंड.,  
सीचेंग, एवी, टोंगलिंग, अन्हुई, चीन
14. वूजिन हुआनयू टेक्सटाइल कं. लि.  
नानजियासू टाउन, वोझिन, चांगझू, जियांगसू  
चीन

(vi) किसी भी निर्यातक ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है । हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र, हांगकांग सरकार के व्यापार और उद्योग के सरकारी विभाग ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर दिया है ।

(vii) नियम 6(4) के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों और प्रयोक्ताओं को आवश्यक सूचना मंगाने के लिए प्रश्नावलियां भेजी गई थीं ।

आयातक:

1. के. मोहन टेक्सटाइल्स,  
बी-1, 2/5, बेगुर रोड, बोमनहल्ली,  
बेंगलूर- 560076

2. प्रतीक अपैरल्स प्रा.लि.  
नं. 113, कृष्णा रेड्डी इंडस्ट्रीयल एरिया,  
7वां मील, कुडलू गेट, होशूर रोड,  
बेंगलूर -560068

3. अम्बाटूर क्लोदिंग कं. लि.  
86/एल, अम्बाटूर इंडस्ट्रीयल इस्टेट,  
अम्बाटूर चेन्नई- 600058, तमिलनाडु.

4. आदित्य बिरला नुओ लि.  
110, चौथा क्रॉस, पांचवां ब्लॉक, कारमंगला  
इंडस्ट्रीयल ले आउट,  
मदूरा गारमेंट्स डिवीजन,  
बेंगलूर-560095

5. शाही एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.  
शाही एक्सपोर्ट हाउस, आईपी-1, सेक्टर- 28  
मथुरा रोड (बदरपुर बॉर्डर से 5 किमी.)  
फरीदाबाद-हरियाणा

6. मलबरी सिल्क लि.,  
सुआंघनेसी रोड, मलबरी हाउस नं. 20  
बेंगलूर-560025

7. लीला स्टकोटिस्, चेन्नई  
ए-8 और 9, गुईडी इंडस्ट्रीयल इस्टेट  
चेन्नई- 600032

8. कलरप्लस फैशन्स प्रा.लि.  
सी-10, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, अम्बाटूर,  
चेन्नई-600058.

9. रिचा एंड कंपनी  
बी-108 , मायापुरी फेस -I  
नई दिल्ली-64, 110064

10. इंडियन टेरियन क्लोथिंग प्रा.लि.,  
107, एजीएसटी रोड, चोरमपेट,  
चेन्नई-600014

11. चोपड़ा एसोसिएटेड  
कमला सिटी, एसबी मार्ग, लोअर पल, 3,  
भूतल, ख विंग, ट्रेड वोर, मुंबई

12. ओरिएंट क्राफ्ट लि.,  
केएच- 20-22 खेकड़ी दौला  
गुडगांव, 122016 (हरियाणा) भारत

13. मोहन क्लोदिंग कंपनी (प्रा.) लि.,  
76, उद्योग विहार, फेस-1, गुडगांव, हरियाणा

14. ओरिएंट क्लोदिंग कं. प्रा.लि.  
298-300, फेस-VI, उद्योग विहार, गुडगांव

15. आईटीसी लि.  
86, उद्योग विहार फेंस-1,  
लाइफ स्टाइल रिटेनिंग बिजनेस डिवीजन,  
गुडगांव- 122016.

16. गोकलदास इमेजेज. बंगलूर  
7 एवं 12, इंडस्ट्रीयल सबरब, सेकेंड  
स्टेज, टूमकूर रोड, यशवनंतपुर, बंगलूर,  
560022

17. रेमेंड्स अपेयरलेस लि.,  
बिल्डिंग डी-2, गाला 1010, कहलेर विलेज,  
कहलेर, श्रीअरिहत कॉम्पलैक्स,  
भिवानी-400606

18. टेक्सटाइल्स  
198/2/1, सूर्या फोर्चन टावर,  
रमेश मार्केट, इस्ट आफ कैलाश,  
गढ़ी, नई दिल्ली-110065

19. प्रासम एक्सपोर्ट्स  
508/09, बेजोला कॉमर्शियल कॉम्पलैक्स,  
115, सियोन-ट्रोम्बे रोड, चेम्बूर,  
मुंबई 400 071

20. अनीश इंडिया एक्सपोर्ट  
405 पेस सिटी-II, सेक्टर-37  
गुडगांव, 122016

(VIII) उपभोक्ता:

1. डोनियर इंडस्ट्रीज लि.  
210, के टो इंडस्ट्रीयल इस्टेट,  
कोन्डीविटा लेन, नजदीक एमआईडीसी,  
अंधेरी[पू.] मुंबई- 400 059

2. रेंजर अपेयलैस एक्सपोर्ट्स (प्रा.) लि.  
सं. 2011 ग्रामथाना, कचरकन्नाहल्ली,  
बेंगलूर 560 084,

3. विजयेश्वरी टेक्सटाइल्स लि.  
10/400 पालाघाट रोड, कुनीमुटूर,  
कोयम्बटूर 641008

4. श्रीयन्स इंटरप्राइजेज,  
नं 30.एन.एम.एस. कम्पाउंड  
ईरोड. 638001

5. इंडियन लाइनेन कंपनी  
बी-36, सेक्टर 60, नोएडा 201301

6. मोरारजी टेक्सटाइल्स.  
प्लॉट नं.: जी-2, एमआईडीसी, इंडस्ट्रीयल  
एरिया, पोस्ट-सलाइधाबा, वाया हिंगाना,  
बूटीबोरी,  
नागपुर - 441 110

7. अयूरो वीविंग मिल्स  
( वर्धमान टैक्सटाइल लि. की एक इकाई)  
गांव : बड्डी, तहसील : नालागढ़,  
हिमाचल प्रदेश

8. वी.एस.पलनाईस्वामी कंपनी,  
24, संकारी बाइपास रोड, पल्लीपलायम,  
ईरोड, 638006, तमिलनाडु

9. सचदेवा टेक्सटाइल्स  
ए-53, मंगलपुरी इंडस्ट्रीयल एरिया  
फेस II, नई दिल्ली

10. वीएसएम वीवर्स इंडिया लि.  
4/88-1- संकारी मेन  
रोड, पल्लीपलायम.ईरोड- 638 006  
तमिलनाडु

11. मार्स एक्सपोर्ट  
एनएच-7, न्यू मदुरई बाइपास रोड,  
करूर-63

12. वासंथी फैब्रिक्स,  
3/415, पप्पाथे काडू, विद्यारसमपलायम,  
पल्लीपलायम, आगराहरम  
ईरोड. 638008, तमिलनाडु

13. अरविंद मिल्स लि.  
शर्टिंग बिजनेस डिवीजन सन्ते  
गुजरात - 382721

14. महिन्द्रा टेक्सटाइल्स  
3/415, पप्पाथे काडू, विद्यारासरमपलायम,  
पल्ला पलायम, आगराहरम. 638008,  
तमिलनाडू

15. गोवर्धन ओवरसीज प्रा.लि.  
21, हॉस्पिटल रोड, कर्मा लक्ष्मी  
नारायण कॉम्प्लैक्स  
बेंगलूर 53

16. मयंक टेक्सटाइल्स  
विजय मंडी. गाजियाबाद- 201010

17. ग्लोबल फैब्रिक्स प्रा.लि.  
301, मानसरोवर, 90, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली 110 019

- (ix) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में मै. सेलिब्रेटी फैशनस लि., चेन्नई ने आयातक प्रश्नावली में अपना उत्तर प्रस्तुत किया है ।
- (x) वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया था;
- (xi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश को एक सार्वजनिक फाइल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए खुला रखकर उपलब्ध कराया था;
- (xii) सामान्यतः स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की इष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने और बेचने की लागत का परिकलन किया गया था ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम का पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग को किसी कार्यरत लागत लेखाकार द्वारा विधिवत रूप से प्रमाणित उत्पादन लागत के आंकड़े उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

- (xiii) इस अधिसूचना में \*\*\* चिन्ह आवेदकों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमों के अनुसार प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को प्रदर्शित करता है;
- (xiv) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल, 2007 से 31 मार्च, 2008 (12 महीनों) की है। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2004-मार्च, 2005, अप्रैल, 2005-मार्च, 2006, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007 की अवधि और जांच अवधि शामिल है।
- (xv) प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद के आयातकों/औद्योगिक प्रयोक्ताओं को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध से संबंधित जांच से संगत समझी जाने वाली सूचना प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया था।
- (xvi) प्राधिकारी ने इस स्तर पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की सत्यता के संबंध में आवश्यक सीमा तक स्वयं को संतुष्ट किया है।

### विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. विचाराधीन उत्पाद 30% फ्लैक्स मात्रा से अधिक की बुनी हुई फैब्रिक है। "फ्लैक्स" और लाइनेन पर्यायवाची हैं और "फ्लैक्स" शब्द को "लाइनेन" के नाम से भी जाना जाता है और इनका उपयोग फ्लैक्स फाइबर से बने यार्न या फैब्रिक के उत्पादन में किया जा सकता है। प्रायः इनका उपयोग बुने हुए बैड, बाथ, टेबल और रसोई के वस्त्रों के एक वर्ग का वर्णन करने के लिए भी समान रूप से होता है क्योंकि पारंपरिक रूप से फ्लैक्स का उपयोग तौलिया, चादरों आदि के लिए काफी अधिक होता है। पूर्व में यह शब्द हल्के वजन के अधो वस्त्रों जैसे शर्ट, कुर्तियों, वेस्ट शर्टों, लिंगरी और शर्ट की हटाने योग्य कॉलरों और कफों के लिए प्रयोग किया जाता था।
6. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ के अध्याय 53 में उपशीर्ष 5309 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के कार्य क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
7. आवेदकों ने यह दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं चीन और हांगकांग के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तु हैं। उपभोक्ताओं द्वारा भी आयातित उत्पाद को समान श्रेणी में उपयोग किया जाता है। इस उत्पाद में समान मूल तकनीकी विशेषताएं हैं और इसके कार्य और प्रयोग समान हैं। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित फ्लैक्स फैब्रिक और भारत में आयातित संबद्ध फ्लैक्स फैब्रिक के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित फ्लैक्स फैब्रिक्स और भारत में आयातित वस्तु भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है।

ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है । उपभोक्ता इन दोनों का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर करते हैं । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु को संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है ।

### घरेलू उद्योग

8. नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा :

9. यह आवेदन मै. जयश्री टेक्सटाइल्स (आदित्य बिरला नूवो लि. की एक इकाई) इंडिया द्वारा प्रस्तुत किया गया है और 7 अन्य विनिर्माताओं ने इसका समर्थन किया है जो इस प्रकार हैं: (क) गोवर्धन ओवरसीज प्रा.लि. (ख) वीएमएम वीक्स इंडिया लि., (ग) वी एस पलानीस्वामी कं. (घ) वसंती फैब्रिक्स, (ङ) महेन्द्र टेक्सटाइल्स (च) मार्स एक्सपोर्ट, करूर, (छ) राम टेक्सटाइल्स, करूर । याचिकाकर्ता ने जांच अवधि और क्षति अवधि के दौरान चीन से फ्लैक्स फैब्रिक्स का आयात किया है तथापि, यह आयात कंपनी के उत्पादन (6.27%) और भारत में खपत (1.16%) की तुलना में काफी कम है । याचिकाकर्ता द्वारा यह बताया गया है कि आयातों की आवश्यकता अधिक मांग के मौसम के समय हुई थी और उस समय घरेलू उद्योग को क्षमता संबंधी अवरोध हुए थे । यह बताया गया है कि (क) याचिकाकर्ता के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है ;(ख) आवेदन का समर्थन करने वाले घरेलू उद्योग का घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन में 50% से अधिक हिस्सा बनता है; और (ग) यह आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से प्रस्तुत किया गया है । अतः यह याचिका नियमों के अंतर्गत योग्यता संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करती है । इसके अलावा, भागीदार कंपनी पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है ।

### 10. हांगकांग सरकार के अभ्यावेदन:

हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एचकेएसएआरजी) की सरकार के व्यापार और उद्योग विभाग द्वारा जांच की शुरुआत के संबंध में निम्नलिखित अभ्यावेदन दिए गए हैं ।

1. ये अभ्यावेदन हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार के व्यापार एवं उद्योग ("एचकेएसएआरजी" या "हमारे") द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय को किए



गए हैं जो अन्यो और हांगकांग के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फ्लैक्स फैब्रिक्स के आयातों के विरुद्ध 3 अक्टूबर, 2008 को भारतीय प्राधिकारी द्वारा शुरू की गई पाटनरोधी ("एडी") जांच से संबंधित हैं ।

2. वर्तमान अभ्यावेदन के कार्य क्षेत्र में हांगकांग के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फ्लैक्स फैब्रिक्स के विरुद्ध पाटनरोधी जांच के भारतीय प्राधिकारी शामिल हैं । इसके अलावा, भारतीय प्राधिकारी को बाद में उपलब्ध होने वाली सूचना के आलोक में भी अभ्यावेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं ।
3. हमें खेद है कि भारतीय प्राधिकारी ने जयश्री टैक्सटाइल्स द्वारा प्रस्तुत याचिका दस्तावेज के अगोपनीय अंश में प्रस्तुत किए गए अप्रमाणिक साक्ष्य और अवास्तविक तर्कों के आधार पर हांगकांग के मूल के अथवा वहां से निर्यातित फ्लैक्स फैब्रिक्स के आयातों के विरुद्ध पाटनरोधी जांच की शुरुआत की है ।
4. एचकेएसएआरजी हांगकांग के विरुद्ध जयश्री टैक्सटाइल्स के आरोपों को पूर्णतः खारिज करती है । हमारा विचार यह है कि जयश्री टैक्सटाइल्स हांगकांग के विरुद्ध पाटनरोधी जांच की शुरुआत को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराने में विफल रहा है ।
5. हम यह मानते हैं कि भारतीय प्राधिकारी को जयश्री टैक्सटाइल्स की सनकपूर्ण तर्कों के आधार पर हांगकांग के खिलाफ वर्तमान पाटनरोधी कार्रवाई शुरू नहीं करनी चाहिए थी । हमारा यह विचार है कि हांगकांग के खिलाफ वर्तमान पाटनरोधी कार्रवाई शुरू करके भारतीय प्राधिकारी ने गैट 1994 ("डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार") के अनुच्छेद VI और खासकर उसके अनुच्छेद 5.3 के कार्यान्वयन संबंधी विश्व व्यापार संगठन के करार के अनुसार कार्य नहीं किया है । हम डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के संगत प्रावधानों के अनुसार मामले की आगे पहल करने का अपना अधिकार सुरक्षित रखते हैं ।
6. हमारी मांग है कि भारतीय प्राधिकारी को हांगकांग के मूल के या वहां से निर्यातित फ्लैक्स फैब्रिक्स के आयातों के खिलाफ तुरंत पाटनरोधी कार्रवाई समाप्त कर लेनी चाहिए ।
7. डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.3 के अंतर्गत भारतीय प्राधिकारी पर "इस बात की जांच करने के लिए कि क्या किसी जांच की शुरुआत को औचित्यपूर्ण ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य है, आवेदन में प्रदत्त साक्ष्य की सत्यता और यथातथ्यता की जांच करने" का दायित्व है । जैसा कि हमने निम्नलिखित पैराग्राफों में उल्लेख किया है, हमने यह पाया है कि याचिका दस्तावेज में निहित सूचना वर्तमान पाटनरोधी कार्रवाई की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए अपर्याप्त है ।

### 10.1 प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने हांगकांग के व्यापार विभाग (एचकेएसएआरजी) द्वारा व्यक्त अभिमतों का अध्ययन किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विभाग को केवल कथन के बजाए अपने नियंत्रण में के साक्ष्य/तथ्यों के साथ अपने अभिमतों की पुष्टि करनी चाहिए थी।

### 11. सामान्य मूल्य

#### बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी दावा, विश्लेषण एवं जांच परिणाम

चीन के किसी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर नहीं दिया है।

### 12. चीन के लिए सामान्य मूल्य

याचिकाकर्ता का अनुरोध है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण इस वजह से कि संगत सूचना याचिकाकर्ता के लिए उपलब्ध नहीं है, किसी बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में मूल्य या परिकलित मूल्य के आधार पर नहीं किया जा सकता। भारत के लिए अन्य देशों की निर्यात कीमत को (क) ज्ञात आयातों की मात्रा काफी कम है (ख) अन्य देशों से आयात की कीमत संबंध देशों से आयातों के कारण प्रभावित हो सकती है, के कारण अन्य देशों से निर्यात की कीमत के रूप में नहीं लिया जा सकता। यह नोट किया जाना चाहिए कि इस प्रकार का सामान्य मूल्य "ऐसे बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में खपत के लिए निर्दिष्ट समान वस्तु के लिए व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में तुलनीय कीमत" होना चाहिए। इस आधार पर सामान्य मूल्य निकालने के लिए प्राधिकारी के लिए ऐसे तीसरे देश में किसी सहयोगी उत्पादक द्वारा की गई समस्त घरेलू बिक्री से संबंधित पूर्ण एवं विस्तृत सत्यापन योग्य सूचना के साथ-साथ उत्पादन लागत अन्य सभी संबंधिक सूचना तथा साक्ष्य (व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में उपलब्ध समस्त सूचना सहित) की जरूरत होती है। याचिकाकर्ता का दावा है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के किसी उत्पादक से ऐसी सूचना प्राप्त नहीं हो सकी है।

याचिकाकर्ता ने आगे यह दावा किया है कि एक प्रतिनिधि देश के रूप में भारत पर विचार किए जाने के परिणामस्वरूप वास्तविक एवं पर्याप्त सूचना प्राप्त होगी। यह उल्लेख किया गया है कि अन्य जांच प्राधिकारियों द्वारा भी भारत को एक उचित प्रतिनिधि देश माना गया है। किसी भी हितबद्ध पार्टी ने इस संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है। न ही किसी अन्य हितबद्ध पार्टी ने किसी उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में किसी अन्य देश का सुझाव दिया है।

याचिकाकर्ता द्वारा कई अन्य देशों को विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया जा रहा है। इनमें से काफी अधिक मात्रा में निर्यात मलेशिया को किए गए हैं। अतः इस बात पर विचार करते

हुए कि जिस कीमत पर इस सीमिंग्री की बिक्री निर्यात बाजार में खपत के लिए की जा रही है, मलेशिया में उसके फैब्रिक की पहुँच लागत के आधार पर सामान्य मूल्य 5.16 डॉलर/मीटर बनता है ।

विकल्पतः चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण (क) भारत में कीमत और (ख) बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ सहित विविधत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया जा सकता है । विविधत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य 4.70 अम.डॉ./मीटर बनता है ।

रिकार्ड में उपलब्ध समस्त सूचना पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने भारत को चीन के उत्पादकों के लिए एक उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है । इस आधार पर सामान्य मूल्य 4.70 डॉलर प्रति मीटर बनता है ।

### 13. हांगकांग के मामले में सामान्य मूल्य

हांगकांग के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है । याचिकाकर्ता ने यह दावा करते हुए जिस कीमत पर हांगकांग से वस्तु का आयात किया गया है, उस कीमत पर विचार करते हुए उसकी संबंधित प्रत्यक्ष लागत की भी वसूली नहीं हो सकी है । परिकलित सामान्य मूल्य के आधार पर हांगकांग में सामान्य मूल्य का निर्धारण किया था और इसीलिए उत्पादन लागत सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सर्वथा उचित पद्धति थी । चूंकि हांगकांग के किसी निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है और चूंकि निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास कोई अन्य सूचना उपलब्ध नहीं है, इसलिए हांगकांग के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय तथा लाभ सहित विविधत समायोजित उत्पादन लागत के अनुमान के आधार पर किया गया है । इस आधार पर सामान्य मूल्य 4.70 अम.डॉ. प्रति मीटर बनता है ।

### 14. निर्यात कीमत:

आईबीआईएस द्वारा प्रदत्त आयातों के मूल्य एवं मात्रा से संबंधित सूचना पर विचार करते हुए भारत में भारित औसत आयात कीमत के आधार पर निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है । चीन के किसी भी उत्पादक ने सत्यापन योग्य सूचना के साथ निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है । एक आयातक मै. सेलीब्रिटी फैशन्स लि., चेन्नई को छोड़कर किसी भी आयातक/उपभोक्ता ने सत्यापन योग्य सूचना के साथ प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है । मै. सेलीब्रिटी फैशन्स लि., चेन्नई द्वारा प्रदत्त सूचना का प्राधिकारी ने सत्यापन किया था और यह पाया गया था कि यद्यपि जांच अवधि के दौरान दोनों देशों से अज्ञात आयात की मात्रा 1,27,67,974 रही थी तथापि, इस प्रतिवादी आयातक द्वारा सूचित आयात केवल 3,23,660 मीटर के किए गए थे अर्थात् ये कुल ज्ञात आयातों के 2.53 % थे ।

चूंकि सूचित किए गए आयातों की मात्रा काफी अधिक नहीं है और इसकी सूचना आईबीआईएस के आयात आंकड़ों में पहले ही दी जानी चाहिए थी, इसलिए निर्यात कीमत का निर्धारण आईबीआईएस द्वारा सूचित आयातों की भारित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। ये कीमतें सीआईएफ निर्यात कीमतें हैं। इन निर्यात कीमतों का सीआईएफ एवं कारखाना कीमत के बीच किए गए व्यय हेतु समायोजित किया गया है जिसका आधार याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे हैं। इन सीआईएफ निर्यात कीमतों में से निम्नलिखित व्यय घटाए गए हैं।

- समुद्री भाड़ा,
- समुद्री बीमा,

उपर्युक्त व्यय के समायोजन के बाद निवल कारखाना निर्यात कीमत निम्नानुसार बनती है:

देश	डॉलर/मीटर
चीन	1.48
हांगकांग	2.14

#### 15. पाटन मार्जिन

कारखाना स्तर पर उपर्युक्तानुसार निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निवल निर्यात कीमत के आधार पर जांच अवधि के दौरान सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नलिखित तालिका के अनुसार है: -

अम.डॉ.प्रति मीटर

	चीन	हांगकांग
सामान्य मूल्य	4.70	4.70
निर्यात कीमत	1.48	2.14
पाटन मार्जिन की राशि डॉ.	3.23	2.56
पाटन मार्जिन की राशि रूपए	132.59	105.09
पाटन मार्जिन %	219	120

प्रधिकारी ने जांच अवधि के लिए मुद्रा परिवर्तन दर अम.डॉ./रूपए= 41.05 ली है।

#### 16. हांगकांग सरकार द्वारा अभ्यावेदन:

सामान्य मूल्य/निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के संबंध में हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र (एचकेएसएआरजी) की सरकार के व्यापार एवं उद्योग विभाग द्वारा निम्नलिखित अभ्यावेदन दिए गए हैं :

## (क) सामान्य मूल्य

i) डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.1 में यह निर्धारित किया गया है कि निर्यातक देश के बाजार में खपत हेतु नियत किए जाने की स्थिति में सामान्य मूल्य आम तौर पर व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में संदर्भाधीन उत्पाद की कीमत होता है। इसके अलावा, हम यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने उचित कारण दिए बिना परिकलित मूल्य के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

ii) याचिका के अनुबंध-3.2 में दी गई तालिका से यह पता चलता है कि हांगकांग के लिए "परिकलित सामान्य मूल्य" प्रति मीटर 191.66 भारतीय रूपए या 4.7 अम.डॉ. है। हम यह नहीं जानते हैं कि "परिकलित सामान्य मूल्य" किस प्रकार निकाला गया है क्योंकि फ्लैक्स फाइबर की दर को छोड़कर समस्त आंकड़ों और गणनाओं में घालमेल किया गया है। उपर्युक्त पैरा 8 में हमारे प्रश्न के प्रति किसी पूर्वाग्रह के बिना हम भारतीय प्राधिकारी से यह अनुरोध करना चाहेंगे कि वह हांगकांग के लिए परिकलित सामान्य मूल्य के निर्धारण में विश्वसनीयता के स्तर का निर्धारण करने हेतु हमें अनुबंध-3.2 में दिए न गए समस्त आंकड़े उपलब्ध कराएं।

iii) हम यह नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान हांगकांग से आयात की दर सबसे कम नहीं रही थी। हम यह भी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा हांगकांग के लिए अनुमानित 191.66 भा.रु. या 4.7 अम.डॉ. प्रति मीटर का "परिकलित सामान्य मूल्य" फ्रांस (79.15 भा.रु.), यूनाइटेड किंगडम (129.75 भा.रु.) और आयरलैंड (142.86 भा.रु.) जैसे कुछ विकसित यूरोपीय देशों से उत्पादों की आयात कीमतों (आयात दरों) से काफी अधिक है। इन देशों की लागत (अनुमानतः आयात कीमत से कम) हांगकांग की कीमतों से सामान्यतः अधिक होनी चाहिए। इस "परिकलित सामान्य मूल्य" को हम अत्यधिक असामान्य और अनुचित मानते हैं। अतः अनुमान की सत्यता और विश्वसनीयता पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है।

## 16.1 प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने हांगकांग के व्यापार विभाग (एचकेएसएआरजी) द्वारा व्यक्त अभिमतों का अध्ययन किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस विभाग को हांगकांग में विचाराधीन उत्पाद की घरेलू कीमतों के साथ अपने अभिमतों की पुष्टि करनी चाहिए थी अथवा हांगकांग के कुछ निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली के अनुसार सूचना प्रदान कर जांच में शामिल होना चाहिए था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगकांग के किसी निर्यातक ने कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यापार विभाग ने भी हांगकांग में जांच अवधि के दौरान प्रचलित वैकल्पिक घरेलू कीमतें/निर्यात कीमतें भी प्रस्तुत नहीं की हैं।

### 17. क्षति निर्धारण हेतु कार्य प्रणाली और कारणात्मक संबंध की जांच

- i) प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों द्वारा अपने अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है ।
- ii) पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में किसी क्षति जांच में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव (ख) ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की तथ्यपरक जांच का प्रावधान है । पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित होता है कि क्या आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है । कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी के लिए इस बात की जांच करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में सकारात्मक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती ।
- iii) क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के प्रभाव और उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, कीमत एवं लाभप्रदता आदि पर उसके प्रभाव की जांच की है ताकि क्षति एवं पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध, यदि कोई हो, की मौजूदगी की जांच की जा सके ।
- iv) चूंकि संबद्ध देशों से निर्यातों के लिए सकारात्मक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है, अतः संबद्ध देशों से समूचे निर्यातों को क्षति विश्लेषण एवं कारणात्मक संबंध की जांच के प्रयोजनार्थ पाटित आयात माना गया है ।

### 18. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव और घरेलू उद्योग पर प्रभाव:

#### i) मांग का निर्धारण

देश में उत्पाद की मांग या खपत का निर्धारण भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री एवं समस्त स्रोतों से आयातों की बिक्री की राशि के रूप में किया गया है । इस प्रकार से निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में देखी जा सकती है ।

आंकड़े लाख मीटर में

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
मांग/खपत	***	***	***	***
प्रवृत्ति (सूचीबद्ध)	100	117	125	137
घरेलू उद्योग की क्षमता	***	***	***	***

भारत में संबद्ध उत्पाद में समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हो रही थी। मांग में वृद्धि को देखते हुए घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमता बढ़ाई है। तथापि, घरेलू उद्योग अब पर्याप्त अप्रयुक्त क्षमता का सामना कर रहा है।

## ii) पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव : आयात की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

इन वर्षों के दौरान पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है। भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में आयात निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं।

आंकड़े लाख मीटर में

मांग	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
घ.उ. की बिक्री	***	***	***	***
अन्य भारतीय उत्पादों की बिक्री	***	***	***	***
आयात-चीन/हांगकांग	***	***	***	***
आयात-अन्य देश	***	***	***	***
कुल मांग	***	***	***	***
सूचकांक	100	118	125	137
घ.उ. का उत्पादन	***	***	***	***
भारतीय उत्पादन	***	***	***	***
निम्नलिखित के संबंध में आयात का % हिस्सा				
कुल आयात	74.30	76.56	84.99	90.22
भारत में मांग	43.61	44.57	48.76	51.92
भारतीय उत्पादन	96.46	96.82	101.5	112.2

यह देखा जाता है कि :

- (क) आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई है ;
- (ख) देश में उक्त उत्पाद के भारतीय उत्पादन के संबंध में आयातों में वृद्धि हुई है;
- (ग) आयातों में भारत में उत्पाद की मांग/खपत के संबंध में वृद्धि हुई है।

उपर्युक्त के मद्देनजर यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि पाटित आयातों से प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव प्रदर्शित होता है।

## iii) आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारों के लिए इस बात की जांच करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में सकारात्मक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

तुलना निम्नानुसार है:

	रु./मीटर	
	चीन	हांगकांग
निवल बिक्री प्राप्ति	*****	***
पहुंच मूल्य	***	***
कीमत कटौती	***	***
कीमत कटौती %	77.03	50.48

(क) कीमत ह्रास/न्यूनीकरण

पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास हो रहा है। चीन और हांगकांग से संबंध वस्तु की सीआईएफ आयात कीमत में क्षति अवधि के दौरान निरंतर गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में इतनी ही और आयातों की सीमा तक गिरावट आई है।

(ख) कम कीमत पर बिक्री

आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत (237.28 रु. प्रति मीटर) से काफी कम है जिससे सकारात्मक रूप से अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हुई है।

iv) घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि किसी क्षति जांच में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले समस्त संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। याचिकाकर्ता ने यह अनुरोध किया है कि घरेलू उत्पादन के कार्य निष्पादन की जांच करने से यह पता चलेगा कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। इसके अलावा, निम्नानुसार किए गए विस्तृत विचार-विमर्श के अनुसार वर्तमान स्थिति जारी रहने के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होने का खतरा है।

(v) उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग

घरेलू उद्योग का वास्तविक उत्पादन, क्षमता एवं क्षमता उपयोग निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं :-



## लाख मीटर

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
क्षमता	***	***	***	***
क्षमता में वृद्धि		6.48	5.04	16.56
उत्पादन	***	***	***	***
उत्पादन में वृद्धि		8.91	4.41	(2.42)
क्षमता उपयोग	87.95	95.15	94.39	67.13
भारत में मांग	***	***	***	***
सूचकांक	100	118	125	137
मांग में वृद्धि		31.62	12.58	21.43

यह देखा जाता है कि:

- (क) विचाराधीन उत्पाद की मांग में समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है;
- (ख) मांग में वृद्धि के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने अपनी क्षमताएं बढ़ाई हैं;
- (ग) यद्यपि, घरेलू उद्योग वर्ष 2006-07 तक क्षमताओं में वृद्धि के अनुपात में अपना उत्पादन बढ़ाने में सक्षम था, तथापि यह वर्ष 2007-08 के लिए सच नहीं निकला। वस्तुतः घरेलू उद्योग के उत्पादन में गिरावट आई जबकि क्षमता में वृद्धि हुई।
- (घ) वर्ष 2007-08 में घरेलू उत्पाद के क्षमता उपयोग में अत्यधिक गिरावट आई।

(vi) बिक्री मात्रा

घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है:-

## लाख मीटर

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
घरेलू बिक्री	***	***	***	***
बिक्री में वृद्धि		6.96	2.71	0.52
मांग में वृद्धि		31.62	12.58	21.43

यह देखा जाता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की मांग और बिक्री दोनों में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हो रही थी, तथापि वर्ष 2007-08 में बिक्री में यह वृद्धि मांग में बढ़ोत्तरी की तुलना में मामूली रही थी। इस प्रकार यद्यपि घरेलू उद्योग ने क्षमता में वृद्धि की और उसके पास अप्रयुक्त क्षमता थी और बाजार में उत्पाद की मांग में वृद्धि हो रही थी तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में मामूली वृद्धि हो सकी।

vii) खंडवार विश्लेषण:

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि विचाराधीन उत्पाद के बाजार को कई खंडों में समूहबद्ध किया जा सकता है। ये हैं - खुदरा; थोक; आरएमजी(सिलेसिलाए वस्त्र), घरेलू; आरएमजी निर्यात; निर्यातक; एफआर/औद्योगिक एवं अन्य। याचिकाकर्ता का तर्क है कि उपर्युक्त प्रत्येक बाजार खंड एक ऐसे बाजार का प्रतिनिधित्व करता है, जिसकी अपनी गतिशीलता

होती है और उपर्युक्त समस्त बिक्री मात्रा से यद्यपि यह प्रतीत होगा कि इनमें क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हो रही थी । तथापि, इनकी जांच खंडवार आधार पर नजदीकी से किए जाने की स्थिति में बिक्री मात्रा में गिरावट प्रतीत होती है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है ।

(लाख मीटर)

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
खुदरा	***	***	***	***
थोक	***	***	***	***
आरएमजी घरेलू	***	***	***	***
आरएमजी निर्यात	***	***	***	***
एफआर	***	***	***	***
औद्योगिक	***	***	***	***
कुल घरेलू	***	***	***	***
घटाएं व्यापार	***	***	***	***
व्यापार रहित घरेलू	***	***	***	***
निर्यात	***	***	***	***
कुल बिक्री	***	***	***	***

उपर्युक्त के आधार पर याचिकाकर्ता ने यह तर्क दिया है कि (क) खुदरा खंड में बिक्री में भारी वृद्धि हुई है । यह ऐसा खंड है जिसमें कंपनी के अपने खुदरा आउटलेट हैं । (ख) वर्ष 2005-06 और 2007-08 के बीच थोक खंड में बिक्री लगभग स्थिर रही है । यह ऐसा खंड है जिसमें आयात भी समान रूप से हुए हैं । (ग) आरएमजी घरेलू में बिक्री में वस्तुतः गिरावट आई है । यह ऐसा खंड है जिसमें आयात घरेलू उद्योग से सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । (घ) प्रस्तावित जांच अवधि में आरएमजी निर्यात बिक्री में भी गिरावट आई है । आयात इस खंड में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं । (ङ) घरेलू उद्योग के निर्यातों में घरेलू उद्योग के सतत प्रयास के कारण वृद्धि हुई है । (च) एफआर ऐसा क्षेत्र है जिसमें घरेलू उद्योग पाटन के कारण लगभग विलुप्त हो गया है । (छ) पाटन के कारण औद्योगिक खंड भी प्रभावित हुआ है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की बिक्री में उसकी अपनी खुदरा शृंखला के कारण ही वृद्धि हुई है । वस्तुतः यह घरेलू उद्योग की बिक्री को (क) खुदरा तथा (ख) अन्य में विभाजित कर दिया जाए तो यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग की बिक्री बाजार में अत्यधिक सकारात्मक वृद्धि के बावजूद स्थिर/घटती रही है जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देख जाएगा ।

आंकड़े लाख मीटर में

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
खुदरा	***	***	***	***
खुदरा से भिन्न	***	***	***	***
कुल	***	***	***	***

सूचकांक

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
खुदरा	100	145	160	193
खुदरा से भिन्न	100	117	125	120
कुल सूचकांक	100	121	129	130

## viii) मालसूचियां:

घरेलू उद्योग की मालसूचियां निम्नानुसार रही हैं:

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
औसत स्टॉक	लाख मीटर	***	***	***	***
सूचकांक		100	129	180	220
बिक्री दिवसों की	नग	75	77	102	121
संख्या के रूप में स्टॉक					

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास औसत स्टॉक में वृद्धि हुई है।

## ix) लाभ:

घरेलू उद्योग के लाभ में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग वर्ष 2006-07 तक लाभ की स्थिति से वित्तीय घाटे की स्थिति में आ गया है।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
बिक्री की लागत	रु./मीटर	***	***	***	***
बिक्री कीमत	रु./मीटर	***	***	***	***
कर पूर्व लाभ	रु./मीटर	***	***	***	***
कर पूर्व लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
पीबीआईटी	रु./लाख	***	***	***	***

## सूचकांक

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
बिक्री की लागत	रु./मीटर	100	103	107	115
बिक्री कीमत	रु./मीटर	100	106	105	105
कर पूर्व लाभ	रु./मीटर	100	161	81	(65)

यद्यपि बिक्री लागत में हमेशा वृद्धि हुई, बिक्री कीमत में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई किंतु उसके बाद उसमें गिरावट आ गई। परिणामतः लागत में वर्ष 2005-06 तक वृद्धि हुई किंतु उसके बाद इसमें इतनी अधिक गिरावट आई कि घरेलू उद्योग को वर्ष 2007-08 में वित्तीय घाटा उठाना पड़ा।

यह अनुरोध किया गया है कि घरेलू उद्योग ने इस आशा से अपनी क्षमता बढ़ाई थी कि वह देश में उत्पाद की सकारात्मक मांग में भागीदारी करेगा। तथापि, पाटित आयातों द्वारा

उत्पन्न की गई अनुचित कीमत की स्थिति से कंपनी मांग में हुई वृद्धि से लाभ उठाने से वंचित हुई। यद्यपि घरेलू उद्योग ने इस आशा से निवेश किए थे कि वह अपनी लाभप्रदता में सुधार करेगी, तथापि देश में उत्पाद के अनुचित पाटन के कारण यह आशा विपरीत सिद्ध हुई।

#### x) बाजार हिस्सा

भारत में मांग में घरेलू उद्योग और विभिन्न अन्य पार्टियों का हिस्सा निम्नानुसार था:

आंकड़े % में

विवरण	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
घरेलू उद्योग	16.73	17.53	17.77	16.40
अन्य घरेलू उद्योग	24.58	24.26	24.87	26.05
कुल भारतीय उद्योग	<b>41.31</b>	<b>41.79</b>	<b>42.64</b>	<b>42.45</b>
संबद्ध देश	43.61	44.57	48.76	51.92
अन्य देश	15.08	13.64	8.61	5.63
कुल आयात	<b>58.69</b>	<b>58.21</b>	<b>57.37</b>	<b>57.55</b>
कुल घरेलू उद्योग की क्षमता भारत में मांग	<b>100</b>	<b>100</b>	<b>100</b>	<b>100</b>

घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वर्ष 2006-07 तक सुधार हुआ, परंतु जांच अवधि में गिरावट आई। बाजार हिस्से में यह गिरावट इस स्थिति में आई जहां (क) देश में मांग में पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई; (ख) घरेलू उद्योग ने उच्चतर मांग की पूर्ति हेतु क्षमता में विस्तार किया। यह उल्लेख करना भी संगत होगा कि चीन के आयातों द्वारा कीमत कटौती और उनका पाटन समूची क्षति अवधि में पाया गया है। क्षति अवधि के दौरान भारतीय उद्योग का बाजार हिस्सा स्थिर रहा है। यद्यपि घरेलू उद्योग को क्षमताओं के विस्तार के कारण बाजार हिस्से में सुधार होने की आशा थी, तथापि इसने बाजार में पाटित आयातों के कारण बाजार हिस्से में स्थिरता/कमी की स्थिति का सामना किया।

#### xi) रोजगार एवं मजदूरी

क्षमता में वृद्धि के मद्देनजर रोजगार एवं मजदूरी में वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
मजदूरी	रु./लाख	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी मजदूरी	रु.	***	***	***	***
सूचकांक		100	112	107	105

यह देखा जाता है कि आधार वर्ष की तुलना में प्रति कर्मचारी मजदूरी में वृद्धि हुई है ।

## xii) उत्पादकता:

घरेलू उद्योग की उत्पादकता में उत्पादन जैसी ही प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है । उत्पादकता में वर्ष 2005-06 तक सुधार हुआ परंतु उसके बाद क्षमता वृद्धि एवं पाटित आयातों के कारण उसके कम उपयोग की वजह से लगातार गिरावट आई । याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि वर्तमान स्थिति और घरेलू उद्योग के अद्यतन निष्पादन को देखते हुए घरेलू उद्योग उस स्थिति में अपनी उत्पादकता बनाए रखने में समर्थ नहीं होगा यदि पाटित आयात वर्तमान कीमतों पर जारी रहेंगे ।

विवरण	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
उत्पादन	लाख मीटर	***	***	***	***
प्रति दिवस उत्पादकता	मीटर	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मीटर	***	***	***	***
सूचकांक		100	123	110	103

## xiii) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

लागू सीमाशुल्क सहित संबद्ध आयातों की पहुंच कीमत बिक्री प्राप्ति से बहुत कम है । पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की घरेलू बाजार में कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है । परिणामतः यद्यपि उत्पादन लागत में लगातार वृद्धि हुई है तथापि, वर्ष 2006-07 में बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से कम रही थी । इसके अलावा जहां उत्पादन लागत में वृद्धि हुई वहीं जांच अवधि में बिक्री कीमत में गिरावट आई, जिससे कीमत में ह्रास और उसमें न्यूनीकरण आया, जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जाएगा ।

रु./मीटर

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
निवल बिक्री प्राप्ति	***	***	***	***
पहुंच कीमत	***	***	***	***
उत्पादन लागत	***	***	***	***
कीमत कटौती	***	***	***	***
सूचकांक	100	101	92	95

**xiv) निवेश पर आय**

निवेश पर आय में वही प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है जैसी कि लाभ के संबंध में है। लाभ में वृद्धि के साथ वर्ष 2005-06 में निवेश पर आय में वृद्धि हुई परंतु तत्पश्चात बाजार में पाटित आयातों के कारण उसमें लगातार गिरावट आई।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
लाभ/हानि (पीबीआईटी)	Rs/Lacs	***	***	***	***
आरओसीई (जीएफए)	%	***	***	***	***
आरओसीई (एनएफए)	%	***	***	***	***
सूचकांक		100	149	95	0.22

**xv) नकद प्रवाह**

घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति में वही प्रवृत्ति दिखाई देती है जैसी कि लाभ के संबंध में है। संबद्ध पाटित आयातों के दबाव के कारण घरेलू उद्योग के नकद प्रवाह की स्थिति खराब हुई जैसा कि निम्नलिखित तालिका से देखा जा सकता है। यद्यपि उद्योग नकद लाभ कमाने में सक्षम था, तथापि उसमें वर्ष 2005-06 तक सुधार हुआ और तत्पश्चात गिरावट आ गई।

	इकाई	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
नकद प्रवाह	रु./लाख	उ.न.	***	***	***
नकद प्रवाह	प्रति/एमटीआर	उ.न.	***	***	***
नकद लाभ	रु./लाख	***	***	***	***
नकद लाभ	प्रति/एमटीआर	***	***	***	***
सूचकांक		100	150	102	0.22

**xvi) वृद्धि**

घरेलू उद्योग की वृद्धि खासकर वर्ष 2005-06 के बाद अधिकांश मापदंडों के संबंध में नकारात्मक रही है।

**19. हांगकांग से अभ्यावेदन:**

- हम अनुबंध- 1.4 से यह नोट करते हैं कि हांगकांग से फ्लैक्स फैब्रिक्स से संबंधित आयात आंकड़े निम्नानुसार हैं:

वर्ष	मात्रा (मीटर) (क)	मूल्य (भा.रु.) (ख)	दर (ख/(क))	हिस्सा
2004-05	633,287	63,947,734	100.98	6.06
2005-06	986,220	89,214,724	90.46	7.80
2006-07	1,259,021	151,366,187	120.23	9.81
2007-08 (जांच अवधि)	1,321,020	123,413,060	93.42	9.15

ii) डब्ल्यू टी ओ पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.2 में भारतीय प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि वह "इस बात पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में आयातक सदस्य के उत्पादन या उसकी खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।" इस संबंध में हांगकांग से आयातों के हिस्से में कुल मांग में वृद्धि के बावजूद पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में वृद्धि हुई है (याचिका दस्तावेज के अगोपनीय रूपांतरण का पृष्ठ-6)

iii) याचिका दस्तावेज में प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार हमने भारत में उत्पादन एवं खपत के संबंध में हांगकांग से आयातों की गणना निम्नानुसार की है :

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
आयात मात्रा (लाख मीटर)	6.33	9.86	12.59	13.21
निम्नलिखित के संबंध में आयातों का हिस्सा				
• भारत में कुल आयात(%) <sup>2</sup>	6.06	7.80	9.81	9.15
• भारत में मांग (%) <sup>3</sup>	3.57	4.63	5.67	5.35
• भा.उ. (%) <sup>4</sup>	7.97	10.33	11.92	11.83

उपर्युक्त तालिका से यह पता चलता है कि हांगकांग से हुए आयातों में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान भारत में उत्पादन या खपत के अनुपात में गिरावट आई है। अतः इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती या यह कम से कम अनिर्णायक है कि तुलनात्मक दृष्टि से हांगकांग से आयातों में "पर्याप्त वृद्धि" हुई है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में:

- iv) याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उत्पादन एवं क्षमता उपयोग, बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। समूची क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से में गिरावट आई और माल सूचियों में वृद्धि हुई। याचिकाकर्ता का यह निष्कर्ष है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।
- v) हम यह नोट करते हैं कि यद्यपि, संबद्ध वस्तु की मांग में समूची अवधि के दौरान वृद्धि हुई (वर्ष 2004-05 से 2007-08 तक 39% की वृद्धि), तथापि भारतीय घरेलू उद्योग की क्षमता में काफी अधिक दर से वृद्धि हुई (वर्ष 2004-05 से 2007-08 तक 74% की वृद्धि)। इस बात को देखते हुए कि क्षमता में यह वृद्धि घरेलू उद्योग की क्षमता से दोगुनी थी, तथापि जब तक निर्यातों में वृद्धि द्वारा इस अंतर को पाटा नहीं जाता है, तब तक क्षमता उपयोग में गिरावट को महसूस करना अतर्कसंगत नहीं है। अधिक क्षमता विस्तार का तार्किक परिणाम निवेश पर आय में गिरावट, माल सूची में वृद्धि और इसके बाद बिक्री कीमत में कमी के रूप में होगा। क्षमता विस्तार के परिणामस्वरूप व्यय में अधिक ह्रास हुआ है जिसे अधिक विस्तार की स्थिति में लाभप्रदता के बारे में खराब प्रदर्शन माना जाएगा।
- vi) उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि याचिकाकर्ता द्वारा दिए गए कथन के प्रतिकूल घरेलू उद्योग को क्षति कम से कम एक अन्य कारक अर्थात् भारतीय घरेलू उद्योग की क्षमता के अधिक विस्तार के कारण हो सकती है। इस प्रकार यह निष्कर्ष निकालना अनुचित और अव्यावहारिक है कि घरेलू उद्योग को क्षति, यदि कोई हो, आरोपित पाटित आयातों के कारण हुई है।
- vii) हम अपना यह विचार दोहराते हैं कि हांगकांग से आयातों का हिस्सा भारतीय बाजार के बहुत ही कम प्रतिशत के बराबर था और ऐसे आयात कीमत निर्धारक होने की बजाए कीमत प्रस्तोता हो सकते हैं। आगे और उन्होंने यह उल्लेख किया है कि ऐसी असंभावित स्थिति में जब पाटन हो रहे हों जिसके संबंध में हमें ऐसा कोई साक्ष्य नहीं मिलता है, हांगकांग से हुए आयातों को आरोपित क्षति के कारण के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।
- viii) हांगकांग मुक्त व्यापार नीति अपनाता है और उसे इकॉनामिक फ्रीडम स्टडी के फाउंडेशन 2008 इन्डैक्स में हैरीटेज फाउंडेशन द्वारा लगातार 14वें वर्ष विश्व की सर्वाधिक मुक्त अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया गया है। हमारे खुले बाजार और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वातावरण के कारण हमारा विश्वास है कि हांगकांग की कंपनियां न तो कोई प्रोत्साहन लेती हैं और न ही पाटन के किसी कार्यक्रम में शामिल होने का समर्थन करती हैं।



ix) इसके अलावा, हम यह नोट करते हैं कि याचिका दस्तावेज के अनुबंध 2.5 के रूप में संलग्न अन्य भारतीय उत्पादकों के किसी भी समर्थकारी पत्र में हांगकांग का उल्लेख नहीं किया गया है। वर्तमान अभ्यावेदनों में उल्लिखित कारणों के साथ-साथ हम यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता पाटनरोधी जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त और विश्वसनीय साक्ष्य उपलब्ध कराने में विफल रहा है। हमारा भारतीय प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह हांगकांग के खिलाफ पाटनरोधी जांच को तुरंत समाप्त कर दें।

x) हम पाटनरोधी कार्रवाई के दौरान आगे और अभ्यावेदन करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। हम डेव्यू टी ओ करार के संगत उपबंधों के अनुसार मामले की आगे और पैरवी करने का अधिकार भी सुरक्षित रखते हैं।

## 20. प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी ने क्षति के संबंध में हांगकांग के व्यापार विभाग (एचकेएसएआरजी) द्वारा व्यक्त अभिमतों का अध्ययन किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रवृत्ति संबंधी विश्लेषण की तुलना आधार वर्ष से किए जाने की जरूरत है। आधार वर्ष से हांगकांग से हुए आयातों की प्रवृत्ति में उर्ध्वगामी प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है।

## 21. क्षति संबंधी निष्कर्ष

### क) क्षति का संचयी निर्धारण

i) अनुबंध-II के पैरा III के अनुसार जिन मामलों में एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है, उन मामलों में प्राधिकारी द्वारा उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन अपेक्षित होता है, जब वह यह निर्धारित करे कि (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन प्रत्येक देश से आयातों की निर्यात कीमत और उनकी मात्रा के 2% के रूप में व्यक्त समान उत्पादों के आयातों का 3% है और (ख) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है।

ii) आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों और आयातित उत्पादों एवं समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों का निर्धारण करने की दृष्टि से, -

क) प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रत्येक संबद्ध देश के बारे में पाटन मार्जिन 2% से अधिक है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा भी 3% से अधिक है।

ख) संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात एक समान टैरिफ वर्गीकरण के अंतर्गत किया गया है;

ग) प्राधिकारी ने यह पाया है कि आयातित संबद्ध वस्तु घरेलू रूप से उत्पादित प्लैक्स फैब्रिक्स की वाणिज्यिक स्थानापन्न है ।

iii) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि आयातित उत्पादों और समान घरेलू उत्पाद के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए घरेलू रूप से उत्पादित समान वस्तु पर संबद्ध वस्तु के आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करना उचित है ।

ख) संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप में पर्याप्त वृद्धि हुई है । संबद्ध आयातों में भारत में कुल आयातों, भारत में उत्पादन एवं खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है । जहां तक कीमत प्रभाव का संबंध है, आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में अत्यधिक कटौती हो रही थी, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि उत्पादन लागत में हुई वृद्धि से काफी कम थी जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2005-06 में लाभ के उचित स्तर की तुलना में वर्ष 2007-08 में उद्योग के लाभ में गिरावट आई और अंततः उसे वित्तीय घाटा हुआ । कीमत कटौती से कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण हुआ । वर्ष 2005-06 तक आर्थिक मापदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार हुआ और उसके बाद उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री कीमत, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय के संबंध में गिरावट आई । यदि बिक्रियों को खंडवार निर्दिष्ट किया जाए तो जहां घरेलू उद्योग की खुदरा बिक्रियों में वृद्धि हुई है, वहीं वर्ष 2005-06 के बाद सभी बिक्रियां स्थिर रही हैं और देश में उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि होने के बावजूद प्रस्तावित जांच अवधि में वास्तविक गिरावट आई है । इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि चीन और हांगकांग से संवर्धित/सतत पाटित आयातों के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

### कारणात्मक संबंध

22. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 तथा पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 के अनुबंध-II के पैरा (V) के अनुसार प्राधिकारी ने सूचीबद्ध ज्ञात कारकों और घरेलू उद्योग की स्थिति पर उनके परिणामों की जांच की है । पाटित आयातों से भिन्न ज्ञात कारकों, जिनसे उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है, की जांच भी की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन अन्य कारकों से हुई संभावित क्षति पाटित आयातों की वजह से नहीं हुई है ।

### अन्य ज्ञात कारकों की जांच

अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं मूल्य

23. प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य देशों से विचाराधीन उत्पादों का आयात या तो नगण्य रहा है या उसकी निर्यात कीमत अधिक रही है ।

### मांग में परिवर्तन और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

24. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं हुई है। इसके विपरीत क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की समग्र मांग में पर्याप्त सकारात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है। घरेलू बाजार में उत्पाद की खपत की पद्धति में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

### विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एकमात्र ऐसा बाजार है जहां संबद्ध देश से पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु से सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं। विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों के आयातों की बिक्री घरेलू उत्पादकों द्वारा बेची गई वस्तु के रूप में उसी बाजार में की जा रही है। प्राधिकारी की जानकारी में विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का कोई साक्ष्य नहीं आया है।

### प्रौद्योगिकी विकास

26. रिकॉर्ड की जांच के आधार पर प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह मानते हैं कि प्रौद्योगिकी विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संगत कारक नहीं रहा है।

### निर्यात निष्पादन

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में पर्याप्त वृद्धि हुई है। निर्यात मात्रा में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण प्रतीत नहीं होता है।

### घरेलू उद्योग की उत्पादकता

28. जांच अवधि के दौरान यद्यपि प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई है, तथापि यह गिरावट क्षमताओं के पूर्ण उपयोग से निवारित करने वाले आयातों के कारण आई है। इसके अलावा, यद्यपि उत्पादकता को वर्ष 2005-06 (जब घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि में सर्वोत्तम लाभ कमाया था) के उत्पादकता स्तर के बराबर माना जाता है। तथापि, घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित अनंतिम निष्कर्ष भिन्न नहीं हो सकते।

### कारणात्मकता के बारे में निष्कर्ष

29. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पाटित आयातों द्वारा हुई क्षति की तुलना में घरेलू उद्योग को अन्य कारकों से क्षति नहीं हुई है और यदि हुई है तो वह नगण्य है। घरेलू उद्योग की स्थिति से क्षति अवधि के दौरान वास्तविक गिरावट का

पता चलता है जो मुख्यतः पाटित आयातों के कारण आई है । बिक्री मात्रा में इष्टतम वृद्धि के कारण पाटित आयातों में हुई वृद्धि के परिणामस्वरूप जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई है जिससे घरेलू उद्योग अपने उत्पादन तथा क्षमता उपयोग, पाटित आयातों द्वारा कीमत कटौती में सुधार करने से वंचित हुआ है जिसकी वजह से लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह में गिरावट आई है जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है । प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है ।

### क्षति मार्जिन की मात्रा

30. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है । संबद्ध देश से निर्यातों की भारत औसत पहुंच कीमत और क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

### क्षति मार्जिन संबंधी गणनाएं

	चीन	हांगकांग
पहुंच मूल्य	***	***
एनआईपी	***	***
क्षति मार्जिन	***	***

रु./मी.टन

### भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

31. प्राधिकारी यह स्वीकार करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद का कीमत स्तर प्रभावित हो सकता है । तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी उपायों द्वारा कमी नहीं आएगी । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन की पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी । उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत बनाए रख सकेंगे ।

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन के अनुचित व्यापार व्यवहार द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध देश से आयात किसी भी रूप में प्रतिबंधित नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

**सिफारिशें**

33. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पार्टियों को दी गई थी और निर्यातक, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं पाटन तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों के बारे में जांच शुरू करने और प्रारंभिक जांच करने के बाद तथा संबद्ध देश के खिलाफ सकारात्मक पाटन मार्जिन की अनंतिम रूप से पुष्टि एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि जांच पूरी होने तक पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए अनंतिम शुल्क लगाना अपेक्षित है।

34. प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों पर नीचे उल्लिखित प्रपत्र और तरीके से अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

35. अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन, जो भी कम हो, से कमतर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि चीन और हांगकांग के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों के संबंध में घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 9 में उल्लिखित राशि और पहुंच मूल्य के बीच के अंतर के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लागू करने की सिफारिश की जाती है।

क्र. सं.	उप-शीर्ष	माल का विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	9	10	11
1.	53.09	फ्लेक्स फेब्रिक	चीन	चीन	कोई	कोई	204.89	मीटर	रु.
2.		-वही-	कोई	चीन	कोई	कोई	204.89	मीटर	रु.
3.		-वही-	हांगकांग	हांगकांग	कोई	कोई	205.52	मीटर	रु.
4.		-वही-	कोई	हांगकांग	कोई	कोई	205.52	मीटर	रु.

इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "पहुंच मूल्य" से सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) के अंतर्गत निर्धारित आकलन योग्य मूल्य अभिप्रेत है और इसमें उक्त अधिनियम की धारा 3, 3, 8, 9 और 9 के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर समस्त शुल्क शामिल हैं।

**आगे की प्रक्रिया**

36. प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:-

- क. प्राधिकारी समस्त हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;
- ख. प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, आवेदकों और संबंधित समझी जाने वाली ज्ञात अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है, जो इस पत्र के प्रेषण की तारीख

से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं । कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है;

- ग. प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और सत्यापन किया जाएगा;
- घ. प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम घोषित करने से पूर्व अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जाएगा ।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

## MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 17th February, 2009

#### Preliminary Findings

**Subject : Anti-Dumping Duty Investigations concerning imports of Flax Fabrics originating in or exported from China PR & Hong Kong.**

**No. 14/8/2008-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

2. WHEREAS M/s Jaya Shree Textiles ( A unit of Aditya Birla Nuvo Ltd.) India (hereinafter referred to as the applicant) and supported by seven other manufacturers filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as the Rules), alleging dumping of **Flax Fabrics** originating in or exported from **China PR & Hong Kong** and have requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties on the subject goods.

3. AND WHEREAS, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, after examination of the same with regard to adequacy and accuracy, issued a public notice dated 3<sup>rd</sup> October, 2008 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the sub-Rule 6(1) of the Rules to determine existence, degree and effect of alleged dumping and the need to recommend the amount of antidumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

**PROCEDURE**

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation by the Authority.

- (i) The Authority notified the Embassy of China in India and for Hong Kong also the Embassy of China in India about the receipt of dumping application made by the applicants before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra;
- (ii) The Authority sent copies of initiation notification dated 3<sup>rd</sup> October 2008 to the Embassy of China in India and the Director General, Bureau of Fair Trade for Imports and Exports, Ministry of Foreign Trade & Economic Cooperation, China and for Hong Kong also the Embassy of China in India and The Trade and Industry Department, Hongkong, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses made available by the applicants and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (iii) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporter and to the Embassy of China in India and the Director General, Bureau of Fair Trade for Imports and Exports, Ministry of Foreign Trade & Economic Cooperation, China and for Hong Kong also the Embassy of China in India and The trade and Industry Department, Hongkong in accordance with Rule 6 supra.
- (iv) The Embassy of China in India and the Director General, Bureau of Fair Trade for Imports and Exports, Ministry of Foreign Trade & Economic Cooperation, China and for Hong Kong also the Embassy of China in India and The Trade and Industry Department, Hongkong were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6 with a request to advise the exporter/ producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letters and questionnaire sent to the exporter/producers was also sent to them, along with the names and addresses of the exporter.
- (v) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information to the following known exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4);

**Exporters:**

- |  |   |
|--|---|
| 1. Yangxin Yuandong Textile Co.<br>No.8-140, Fushan Rd., Yangxin,<br>Huangshi, Hubei, China  | 2. Changshu tonghe group co Ltd<br>No.28, Miaodong Rd., Miaoquan<br>Town, Changshu, Jiangsu,<br>China PR                                |
| 3. Hunan Huasheng Industrial &<br>Trading Co. Ltd, 420, 3 <sup>rd</sup> Section<br>Middle Furong Road,<br>Changsha, Hunan, China       | 4. Mengyin cotton textile co Ltd<br>No. 66 Wenher Road, Mengyin. City :<br>Mengyin. Province : Shandong,<br>China PR                    |
| 5. Suzhou Zhenlong Textile Co., Ltd<br>Nanxin Area, Huangqiao Town,<br>Xiangcheng, Suzhou, Jiangsu, China.                             | 6. Harbin Chaolong flax co Ltd<br>Nangang District, Harbin, Heilongjiang<br>Province on the 28 <sup>th</sup> Yushan road .,<br>China PR |
| 7. Polytex Linen Cotton Limited<br>Block C,D,E 20/F, Excelsior Building<br>68-76 Sha Tsui Road, Tsuen Wan,<br>N.T. Hong Kong.          | 8. Jiangsu Fanjia Flax Textile Mill Co.,<br>Ltd Zhen, ZhaoShi, SuZhou, Jiangsu.<br>China PR   |
| 9. HK Zishun Int'l Industry Limited<br>Flat Rm B,8 / F , Chong Ming Building<br>72 Cheng Sha Wan Rd, KI<br>Hong Kong.                  | 10. Suzhou Nanya Group<br>1,Cheng Zhong Road, Xiang Cheng<br>Town, Xiang Cheng District, Suzhou,<br>Jiangsu, China PR                   |
| 11. Binfenzhuang Fabric Co Ltd<br>No.102-105, B F1., Tianhui Square,<br>Wanshang RD., China Textile City,<br>Shaoxing, Zhejiang, China | 12. Qiqihar zhong tian textile co Ltd No.<br>170, Heping Rd., Fulaerji District,<br>Qiqihar, Heilongjiang, China                        |
| 13. Huafang Ramie Textile Co Ltd<br>201# 2Building, Jinhu City Homeland,<br>Shicheng Av., Tongling, Anhui, China                       | 14. Wujin Huanyu Textiles Co Ltd<br>Nanxiashu Town, Wujin, Changzhou,<br>Jiangsu, China   |

(vi) No Exporter has responded to the exporter's questionnaire. The Trade and Industry Dept of the Govt of the Hongkong Special Administrative Region Hongkong Govt have responded to the initiation notification.

(vii) Questionnaires were sent to following known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).



**Importers:**

1. K.Mohan Textiles B1,2/5, Begur Road, Bommanahalli, BANGALORE. 560076
2. Prateek Apparels Pvt Ltd. No. 113, Krishna Reddy Industrial Area, 7<sup>th</sup> Mile, Kudlu Gate, Hosur Road, Bangalore -560068
3. Ambattur Clothing Co Ltd... 86/L, Ambattur Industrial Estate, Ambattur Chennai 600058, Tamil Nadu.
4. Aditya Birla Nuvo Ltd. 110, 4<sup>th</sup> Cross, 5<sup>th</sup> Block, Koramangla Ind Layout, Madura Garments Division, Bangalore-560095
5. Shahi Exports, Pvt Ltd. Shahi export house, IP-1, Sector- 28 Mathura Road (5 Km From Badarpur Border) Faridabad – Haryana
6. Mulberry Silk Limited, Shaughnesey Road, Mulberry House No. 20. Bangalore-560025
7. Leela Scottish, Chennai A-8 & 9, Guindy Industrial Estate, Chennai, 600032
8. Colourplus Fashions Pvt. Ltd. C-10, Industrial Estate, Ambattur, Chennai-600058.
9. Richa & CO B-108, Mayapuri, Phase-I New Delhi, 110064
10. Indian Terrian Clothing Pvt. Ltd., 107, AGST Road, Chrompet, Chennai-600014
11. Chopda Associates Kamala City, SB Marg, Lower Parel, 3, Ground Floor, B Wing, Trade Wor, Mumbai
12. Orient Crafts Ltd, KH 20-22 Khekri Daula Gurgaon, 122016 (HR) India.
13. Mohan Clothing Co (P) Ltd., 76, Udyog Vihar, Phase-1, Gurgaon. Gurgaon-
14. Orient Clothing, Co. P. Ltd. 298-300, Phase-VI, Udyog Vihar, Gurgaon
15. ITC LTD. 86, Udyog Vihar Phase-1, Lifestyle Retaining Business Division, Gurgaon 122016.
16. Gokaldas Images, Bangalore. 7 & 12, Industrial Suburb, 2nd Stage, Tumkur Road, Yeshwanthpur, Bangalore, 560022
17. Raymond Apparels Ltd., Building D-2, Gala 1010, Kahler Village, Kahler, Sriarihat Complex, Bhiwandi-400606
18. Textiles 198/2/1, Surya Fortune Tower, Ramesh Market, East Of Kailash, Garhi, New Delhi-110065
19. Prasam Exports 508/09, Bezzola Commercial Complex, 115, Sion-Trombay Road, Chembur, Mumbai 400 071
20. Anish India Export 405 PaceCity-II, Sector-37 Gurgaon, 122016

(Viii) Users:

1. Donear Industries Ltd.  
210, Key Tuo Industrial Estate,  
Kondivita Lane, Near M.I.D.C.,  
Andheri [E] Mumbai – 400 059
2. Ranger Apparels Export (P) Ltd.  
No. 2011 Gramthana,  
Kacharkanahalli, Bangalore 560 084,
3. Vijayeswari Textiles Ltd.  
10/400 Palaghat Road, Kuniyathur,  
Coimbatore 641008
4. Shreyans Enterprises,  
No 30.N.M.S.Compound  
Erode 638001
5. Indian Linen Company  
B-36, Sector 60, Noida 201301
6. Morarjee Textiles Ltd.  
Plot No: G-2, MIDC, Industrial Area  
Post-Salaidhaba, Via Hingna, Butibori,  
Nagpur - 441 110
7. Auro Weaving Mills  
(A Unit of Vardhman Textiles Limited)  
Village : Baddi, Tehsil : Nalagarh  
Himachal Pradesh
8. V.S.Palaniswami Company, 24,  
Sankari Bypass Road, Pallipalayam,  
Erode, 638006, Tamilnadu.
9. Sachdeva Textiles  
A-53, Mangalpuri Industrial Area  
Phase II, New Delhi
10. VSM Weaves India Ltd.  
4/88-1- Sankari Main  
Road, Pallipalayam. ERODE – 638 006  
Tamil Nadu.
11. Mars Export  
Nh-7, New Madurai Bye-Pass Road  
, Karur-63
12. Vasanthi Fabrics,  
3/415, Pappathy  
Kadu, Vedyarasampalayam,  
Pallipalayam, Agraharam  
Erode. 638008, Tamilnadu
13. Arvind Mills Limited  
Shirtings Business Division Sante  
Gujarat - 382721
14. Mahindraa Textiles  
3/415, Pappathy  
Kadu, Vedyarasampalayam,  
Pallipalayam, Agraharam Erode.  
638008, Tamilnadu
15. Govardhan Overseas Pvt Ltd  
21, Hospital Road, Karma Laxmi  
Narayan Complex  
Bangalore 53
16. Mayank Textiles  
Vijay Mandi. Gaziabad 201010
17. Global Fibres & Fabrics Pvt. Ltd  
301, Mansarovar, 90, Nehru Place,  
New Delhi 110 019

- (ix) In response to the above notification, M/s Celebrity Fashions Ltd, Chennai have filed their response in the importer questionnaire.
- (x) Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years and for the period of investigations;
- (xi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (xii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti dumping duty lower than dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. For the purpose, domestic industry was directed to provide its cost of production duly certified by a practicing cost accountant.
- (xiii) \*\*\* in this Notification represents information furnished by the applicant on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;
- (xiv) The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1<sup>st</sup> April, 2007 to 31st March, 2008 (12 months). The examination of trends in the context of injury analysis covered the period from April 2004-March 2005, April 2005-March 2006, April 2006-March 2007 and the POI.
- (xv) The Authority provided opportunity to the importers/ industrial users of the product under consideration to furnish information considered relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality.
- (xvi) The Authority satisfied itself with regard to accuracy of the information provided by the interested parties to the extent considered necessary at this stage.

#### **PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

5. The Product under Consideration is woven fabric having more than 30% flax content. Flax and linen are synonyms and the word "flax" is also known as "Linen" and can be used to produce yarn and fabric made from flax fibres. It is also often used as in generic term to describe a class of woven bed, bath, table and kitchen textiles because traditionally flax was widely used for towels, sheets, etc. In the past,

the word also referred to light weight undergarments such as shirts, chemises, waist shirts, lingerie and detachable shirt collars and cuffs.

6. The product under consideration is classified under Customs Tariff Chapter 53 at sub-heading 53.09. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

7. The applicants have claimed that goods produced by them are like article to the goods originating in or exported from China and Hong Kong. The imported product is also used by same category of consumers. The product contains the same basic technical properties and has the same functions & uses. There is no known difference in Flax Fabric produced by the Indian industry and subject Flax Fabric imported in India. Flax Fabric produced by the Indian industry and imported in India are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. The goods produced by the domestic industry are being considered as like article to the goods imported from the subject countries.

### **DOMESTIC INDUSTRY**

8. Rule 2(b) defines domestic industry as under:-

*(b) "Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporter or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of domestic industry:*

9. The application has been filed by M/s Jaya Shree Textiles (A unit of Aditya Birla Nuvo Ltd.) India and is supported by seven other manufacturers namely. a) Govardhan overseas Pvt. Ltd., b) VSM Weaves India Ltd. c) V.S. Palaniswamy Company, d) Vasanthi Fabrics e) Mahendra Textiles f) Mars Export, Karur g) Ram Textiles, Karur. The petitioner has imported Flax fabric from China during the POI and the injury period. However, the import is insignificant as compared to production by the company (6.27%) and consumption (1.16%) in India. It has been stated by the petitioner that the imports were necessitated at the time of peak season and capacity constraints with the domestic industry at that stage. It has been seen that (a) production of the petitioner constitutes a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for significantly more than 50 per cent of total production of the like product produced by the

domestic industry; and (c) the application has been made by or on behalf of the domestic industry. The petition therefore, satisfies the requirement of standing under the Rules. Further, participating company constitutes domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules.

**10. Representations by Hong Kong Government:**

The following representations are made by The Trade and Industry Department of the Government of the Hong Kong Special Administrative Region (HKSARG) with respect to this initiation.

1. These representations are made by the Trade and Industry Department of the Government of the Hong Kong Special Administrative Region ("HKSARG" or "we") to the Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties of the Department of Commerce of the Ministry of Commerce and Industry of the Government of India ("The Indian Authority") concerning the anti-dumping ("AD") proceedings initiated by the Indian Authority on 3<sup>rd</sup> October, 2008 against imports of Flax Fabrics originating in or exported from among others, Hong Kong.
2. The scope of the present representations covers the Indian Authority's AD proceedings against flax fabrics originating in or exported from Hong Kong. Further, representations may be submitted to the Indian Authority in the light of information which may become available at a later date.
3. We regret that the Indian Authority has initiated the AD investigation against imports of flax fabrics originating in or exported from Hong Kong based on unsubstantiated evidence and flimsy arguments as presented in the non-confidential version of the petition document filed by Jaya Shree Textiles.
4. HKSARG wholly rejects Jaya Shree Textiles' allegations against Hong Kong. We are of the view that Jaya Shree Textiles failed to provide sufficient evidence to justify the initiation of the AD investigation against Hong Kong.
5. We consider that the Indian Authority should not have initiated the current AD proceedings against Hong Kong based on Jaya Shree Textiles' flimsy arguments. We are of the view that by initiating the current AD proceedings against Hong Kong, the Indian Authority has not acted in accordance with the World Trade Organisation Agreement on Implementation of Article VI of the GATT 1994 ("the WTO AD Agreement"), particularly its Article 5.3. We reserve our right to pursue

the case further in accordance with the relevant provisions of the WTO AD Agreement.

6. We demand that the Indian Authority should terminate the AD proceedings against the imports of flax fabrics originating in or exported from Hong Kong immediately.
7. The Indian Authority is obliged under Article 5.3 of the WTO AD Agreement to *"examine the accuracy and adequacy of the evidence provided in the application to determine whether there is sufficient evidence to justify the initiation of an investigation"*. As we elaborate in the following paragraphs, we have found that the information contained in the petition document is inadequate to justify initiation of the current AD proceedings.

#### 10.1 Examination by the authority

The authority has gone through the observations made by the Trade Department of Hongkong (HKSARG). The Authority notes that the Deptt should have substantiated the observations with evidence/ facts under their control instead of mere assertions.

### 11. NORMAL VALUE

#### Market economy treatment claim, analysis and findings

None of the Chinese exporters has responded to the initiation notification.

### 12. Normal Value for China

The Petitioner submits that normal value could not be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not available to the Petitioner. Export price from other countries to India cannot be adopted for the reasons that (a) volume of known imports are quite low (b) import price from other countries could be affected due to imports from subject countries. It should be noted that such normal value must be 'comparable price in the ordinary course of trade for the like article when meant for consumption in such market economy third country'. In order to arrive at normal value on this basis, the Authority shall require complete & exhaustive verifiable information on all domestic sales made by a cooperating producer in such third country, along with its cost of production and all other associated information and evidences (including all information in the ordinary course of trade). Petitioner has claimed that it has not been able to procure such information from a producer in market economy third country.

Petitioner has further claimed that consideration of India as a surrogate country would result in access to accurate and adequate information. It has been pointed out that India has been considered as an appropriate surrogate country by other Investigating Authorities also. None of the interested parties have made any submissions in this regard. Nor any other interested party has suggested any other country as an appropriate market economy third country.

Petitioner has been exporting the product under consideration to a number of countries. Amongst these, significant exports are being made to Malaysia. Therefore, considering that the price at which the material is being sold for consumption in the export market, the normal value on the basis of landed cost of its fabric in Malaysia comes to \$5.16/ mtr.

Alternatively, normal value in China can be determined on the basis of (a) price in India and (b) cost of production in India, duly adjusted, including selling, general and administrative expenses and profit. Normal value on the basis of cost of production in India, duly adjusted comes to US\$ 4.70 per meter.

Considering all the information on record, the Authority has adopted India as an appropriate market economy country for Chinese Producers. Normal value on this basis comes to 4.70\$ per meter.

**13. Normal value in case of Hong Kong**

None of the producers/exporters in Hong Kong has responded to the Authority. Petitioner had determined normal value in case of Hong Kong on the basis of constructed normal value, claiming that considering the price at which goods have been imported from Hong Kong, the same would not have permitted recovery of even associated direct costs and therefore cost of production was the most appropriate methodology for determination of normal value. Since none of the exporters from Hong Kong has responded to the Authority and further since there is no other information available to the Designated Authority, normal value in case of Hong Kong has been determined on the basis of estimates of cost of production, duly adjusted to include selling, general & administrative expenses and profits. The normal value on this basis comes to US\$ 4.70 per meter.

**14. EXPORT PRICE:**

Export price has been determined on the basis of weighted average import price into India, considering the information on volume and value of imports provided by IBIS. None of the Chinese producers have responded to the Designated Authority with verifiable information. Barring an importer M/s Celebrity Fashions Ltd. Chennai, none of the importers/consumers responded to the Authority with verifiable information. The information provided by M/s Celebrity Fashions Ltd. Chennai was examined by the Authority and it was

found that whereas the known volume of imports during the investigation period was 1,27,67,974 meters from both the countries, imports reported by this responding importer accounts for 3,23,660 meters only, i.e., 2.53 % of total known imports.

As the quantity of imports reported is not very substantial and it might have already been reported under the IBIS import data, the export price has been determined on the basis of weighted average import price of the imports reported by the IBIS. These prices are CIF export prices. These export prices have been adjusted for expenses incurred between CIF and ex-factory, based on the claims made by the petitioner. The following expenses have been reduced from these CIF export prices.

- Ocean freight,
- Marine Insurance,

The net ex-factory export price, after adjustment of the above expenses is as follows:

Country	\$/Mtr
China	1.48
Hong Kong	2.14

#### 15. DUMPING MARGIN

On the basis of normal values and net export prices determined as explained above at ex-factory level, the dumping margin during POI for all exporters are as per table below: -

	US \$ Per Mtr	
	China	Hong kong
Normal value	4.70	4.70
Export price	1.48	2.14
Dumping margin amount \$	3.23	2.56
Dumping margin amount Rs	132.59	105.09
Dumping margin %	219	120

The authority has adopted currency conversion rate for the POI as US \$/ RS= 41.05.

#### 16. Representations by Hong Kong Government:

The following representations are made by The Trade and Industry Department of the Government of the Hong Kong Special Administrative Region (HKSARG) with respect to Normal value/export price and dumping margin.



**(A) Normal Value**

i) Article 2.1 of the WTO AD Agreement stipulates that the normal value is generally the price of the product at issue, in the ordinary course of trade, when destined for consumption in the exporting country market. Nevertheless, we note that the petitioner has determined the normal value on the basis of constructed value without providing justifiable reasons.

ii) The table at Annexure 3.2 of the Petition shows that "constructed normal value" per Mtr for Hong Kong is INR 191.66 or US\$ 4.7. We do not know how this "constructed normal value" is arrived at, as all the figures and the calculation, save the rate of flax fibre, have been blotted. Without prejudice to our question in paragraph 8 above, we would like to request the Indian Authority to provide all the missing data in Annexure 3.2 to us for our examination of their degree of reliability in establishing the constructed normal value for Hong Kong.

iii) We note that during the Period of Investigation (POI), the rate of imports from Hong Kong was not amongst the lowest ones. We also note that the "constructed normal value" of INR 191.66 or US\$ 4.7 per Mtr for Hong Kong estimated by the petitioner is much higher than the import prices (rates of imports) of the products from certain developed European Countries, such as France (INR 79.15), United Kingdom (INR 129.75) and Ireland (INR 142.86), whose costs (presumably lower than the import prices) should generally be higher than those in Hong Kong. This "constructed normal value" we considered highly unusual and not reasonable. The accuracy and reliability of the estimation are, therefore, questionable.

**16.1 Examination by the authority**

The authority has gone through the observations made by the trade deptt of Hongkong (HKSARG). The Authority notes that the deptt should have substantiated their observations with the domestic prices of the PUC in Hongkong or certain exporters from Hongkong should have participated by providing information as per the exporters questionnaire. The authority notes that no exporter has responded from Hongkong or the Trade deptt have also not furnished alternative domestic prices/export prices prevalent during the POI in Hongkong.

**17. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF CAUSAL LINK**

- i) The Authority has taken note of various arguments raised by interested parties in their submissions.
- ii) Article 3.1 of the ADA and Annexure II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a

significant increase in imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been positive price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree, or prevent price increase, which would have otherwise occurred to a significant degree.

- iii) For the purpose of injury analysis the Authority has examined the effect of dumped imports of the subject goods on the domestic industry and its effect on production, capacity utilization, sales, prices and profitability, etc. to examine the existence of injury and causal links between the dumping and injury, if any.
- iv) Since positive dumping margins have been established for the exports from the subject countries, therefore, entire exports from the subject countries have been treated as dumped imports for the purpose of injury analysis and causal links examination.

**18. VOLUME EFFECT OF DUMPED IMPORTS AND IMPACT ON DOMESTIC INDUSTRY:**

**i) Assessment of demand**

The demand or consumption of the product in the Country has been determined as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed can be seen in the table below.

Figures in Lac Mtr

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Demand/Consumption	***	***	***	***
Trend (Indexed)	100	117	125	137
Capacity of the domestic Industry	***	***	***	***

Demand of the subject product in India was increasing throughout the injury period. Considering the increase in demand, the domestic industry has enhanced its capacity. However, the domestic industry is now faced with significant unutilized capacities.

**ii) Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares**

Volume of dumped imports has increased over the years. The imports in relation to production and consumption in India are given in the table below:

Figures in Lac Mtr

Demand	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Sales of DI	***	***	***	***
Sales of other Indian products	***	***	***	***
Import-China/Hongkong	***	***	***	***
Import-other countries	***	***	***	***
TOTAL DEMAND	***	***	***	***

INDEX	100	118	125	137
Production of DI	***	***	***	***
Indian production	***	***	***	***
%Share of import in relation to				
Total imports	74.30	76.56	84.99	90.22
Demand in India	43.61	44.57	48.76	51.92
Indian production	96.46	96.82	101.5	112.2

It is seen that :

- Imports have increased in absolute terms;
- Imports have increased in relation to Indian production of the product in the Country;
- Imports have increased in relation to demand/consumption of the product in India.

In view of the above, it is concluded that dumped imports show adverse volume effect.

### III) Price effect of imports

With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

The comparison is as follows:

	Rs/Mtr	
	China	Hong Kong
Net sales realization	*****	***
Landed Price	***	***
Price Undercutting	***	***
% Price undercutting	77.03	50.48

#### a) Price suppression/depression

Dumped imports are depressing the prices of the domestic industry. CIF import price of the subject goods from China and Hong Kong have declined continuously over the injury period. The selling prices of the domestic industry have declined in the same direction and to the same extent as that of imports.

#### b) Price underselling

Landed price of imports is significantly below the non-injurious price (Rs 237.28 per mtr) of the domestic industry resulting in significantly positive underselling.

**iv) Economic Parameters of The Domestic Industry**

Annexure II to the Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The Petitioner has submitted that examination of performance of the domestic industry would reveal that the domestic industry has suffered material injury. Further, the domestic industry is threatened with material injury, should the present condition continue, as discussed in detail herein under.

**v) Production, capacity and capacity utilization**

Actual production, capacity and capacity utilization of the domestic industry have been provided in the following table.

Lacs mtrs

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Capacity	***	***	***	***
Increase in capacity		6.48	5.04	16.56
Production	***	***	***	***
Increase in production		8.91	4.41	(2.42)
Capacity utilization	87.95	95.15	94.39	67.13
Demand in India	***	***	***	***
INDEX	100	118	125	137
Increase in demand		31.62	12.58	21.43

It is observed that

- demand for the product under consideration increased throughout the injury period;
- as a result of increase in demand, the domestic industry enhanced its capacities;
- even when the domestic industry was able to increase its production in proportion to increase in capacities till 2006-07, the same was not true for 2007-08. In fact, the production of the domestic industry declined whereas the capacity increased.
- Capacity utilization of the domestic industry declined significantly in 2007-08.

vi) Sales Volume

Sales volumes of domestic industry are given in the following table:-

Lac. Mt

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Domestic Sales	***	***	***	***
Increase in sales		6.96	2.71	0.52
Increase in demand		31.62	12.58	21.43

It is seen that even when demand and sales of the domestic industry for the product both were increasing over the injury period, the increase in sales in 2007-08 was marginal as compared to significant increase in demand. Thus, even when the domestic industry enhanced capacity and was having unutilized capacities and demand for the product was increasing in the market, sales volumes of the domestic industry could increase only marginally.

vii) Segment Analysis:

Petitioner argued that its market for the product under consideration can be grouped into a number of segments. These are Retail; Whole Sale; RMG (Ready made Garment), Domestic; RMG Export; Export; FR/Industrial and Others. Petitioner argued that each of the above market segment represents a market with its own dynamics and while it would appear from the above overall sales volumes that the same were increasing over the injury period, sales volumes declined, if the same are examined more closely on segment basis as would be seen from the following -

(Lac Mtrs.)

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Retail	***	***	***	***
Whole Sale	***	***	***	***
RMG Domestic	***	***	***	***
RMG Export	***	***	***	***
FR	***	***	***	***
Industrial	***	***	***	***
Total Domestic	***	***	***	***
Less trading	***	***	***	***
Domestic without trading	***	***	***	***
Exports	***	***	***	***
Total sales	***	***	***	***

Based on the above, petitioner argued that (a) sales in the retail segment have increased significantly. This is the segment where the company has its own retail outlets. (b) sales in the wholesale segment have almost stagnated between 2005-06 and 2007-08. This is the segment where the imports are also equally present. (c) sales in RMG domestic have in fact declined. This is the segment where the imports are directly competing with the domestic

industry. (d) Sales in RMG exports have also declined in proposed POI. Imports are competing in this segment. (e) Exports of the domestic industry have been growing due to persistent efforts of the domestic industry. (f) FR is a segment where the domestic industry has almost got vanished due to dumping. (g) Industrial segment is also affected due to dumping.

The Authority notes that sales of the domestic industry increased only because of its own retail chain. In fact, if the sales of the domestic industry are divided into (a) retail and (b) others, it is seen that the sales of the domestic industry were stagnating/reducing, in spite of significant positive growth in the market, as would be seen from the table below.

Figures in Lac Mtrs.

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Retails	***	***	***	***
Other than retail	***	***	***	***
Total	***	***	***	***

## INDEX

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Retail	100	145	160	193
Other than retail	100	117	125	120
Total Index	100	121	129	130

## viii) Inventories:

Inventories with the domestic industry have been as under:

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Average stock	Lacs Mtr	***	***	***	***
Index		100	129	180	220
Stock as no. of days of sales	Nos	75	77	102	121

The Authority notes that average stocks with the domestic industry have gone up.

## ix) Profits:

Profits of the domestic industry declined. The domestic industry has gone into a situation of financial losses from a situation of profits upto 2006-07.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Cost of sales	Rs/Mtr	***	***	***	***
Selling price	Rs/Mtr	***	***	***	***
Profit before tax	Rs/Mtr	***	***	***	***
Profit before tax	Rs/Lacs	***	***	***	***
PBIT	Rs/Lacs	***	***	***	***

## INDEX

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Cost of sales	Rs/Mtr	100	103	107	115
Selling price	Rs/Mtr	100	106	105	105
Profit before tax	Rs/Mtr	100	161	81	(65)

Whereas the cost of sales increased throughout, selling price increased upto 2005-06, but declined thereafter. Consequently, profits increased in 2005-06, but declined thereafter significantly to such a situation that the domestic industry suffered financial losses in 2007-08.

It has been submitted that the domestic industry enhanced their capacity in the hope that it would participate in the positive growth of the product in the Country. However, unfair pricing situation created by the dumped imports prevented the company from benefiting from the increase in demand. Whereas the domestic industry made investments with the hope that it would improve its profitability, just the reverse happened due to unfair dumping of the product in the Country.

x) Market share

Share of the domestic industry and various other parties in demand in India was as under:

Figures in %

Particular	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Domestic industry	16.73	17.53	17.77	16.40
Other Indian industry	24.58	24.26	24.87	26.05
Total Indian industry	41.31	41.79	42.64	42.45
Subject countries	43.61	44.57	48.76	51.92
Other countries	15.08	13.64	8.61	5.63
Total imports	58.69	58.21	57.37	57.55
Total	100	100	100	100
Capacity of the domestic industry				
Demand in India				

Market share of the domestic industry improved up to 2006-07, but declined in the POI. This decline in market share is in a situation where (a) the demand in the Country showed significant growth; (b) the domestic industry had expanded capacity in order to meet higher demand. It is also relevant to point

out that the price undercutting and dumping by the Chinese imports is found in the entire injury period. The market share of Indian industry remained stagnant during the Injury period. Whereas the domestic industry had hoped to improve its market share as a result of enhancement of capacities, it was faced with a situation of stagnation/reduction in market share because of dumped imports in the market.

**xi) Employment and Wages**

Employment and wages have increased in view of additions to the capacity.

Particular	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
No. of employees	Nos.	***	***	***	***
Wages	Rs/Lacs	***	***	***	***
Wages per employee	Rs	***	***	***	***
Index		100	112	107	105

It is seen that wage per employee has increased over the base year.

**xii) Productivity:**

Productivity of the domestic industry shows same trend as that of production. Productivity improved in 2005-06, but declined consistently thereafter with the addition of capacities and lower utilization thereof due to dumped imports. Petitioner claimed that considering the rate of present situation and latest performance of the domestic industry, domestic industry would not be able to maintain its productivity, should the dumped imports be allowed to continue at the current prices.

Particular	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Production	Lacs Mtr	***	***	***	***
Productivity per day	Mtr	***	***	***	***
Productivity per employee	Mtr	***	***	***	***
Index		100	123	110	103

**xiii) Factors affecting domestic prices**

Landed price of subject imports including applicable customs duty is significantly below the sales realization. Dumped imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the Indian market. Consequently, whereas cost of production continuously increased, increase in selling price in 2006-07 was lower than increase in cost of production. Further, whereas the cost of production increased, selling price declined in the POI,



causing price depression and price suppression, as would be seen from the table below.

	Rs/Mtr			
	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Net sales realization	***	***	***	***
Landed price	***	***	***	***
Cost of production	***	***	***	***
Price undercutting	***	***	***	***
Index	100	101	92	95

#### xiv) Return on investments

Return on investments shows the same trend as that of profits. Return on investment increased in 2005-06 with the improvement in profits, but consistently declined thereafter as a result of dumped imports in the market.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Profit/Loss (PBIT)	Rs/Lacs	***	***	***	***
ROCE (GFA)	%	***	***	***	***
ROCE (NFA)	%	***	***	***	***
Index		100	149	95	0.22

#### xv) Cash Flow

Cash flow position of the domestic industry shows same trend as of profits. Due to pressure from subject dumped imports, cash flow situation of the domestic industry has deteriorated, as would be seen from the table below. Though, the industry was able to make cash profits, the same were improving till 2005-06 and started declining thereafter.

	Unit	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Cash flow	Rs/Lacs	Na	***	***	***
Cash flow	Per/MTR	Na	***	***	***
Cash Profit	Rs/Lacs	***	***	***	***
Cash Profit	Per/MTR	***	***	***	***
Index		100	150	102	0.22

#### xvi) Growth

The growth of the domestic industry is negative in terms of most of the parameters, more particularly after 2005-06.

**19. Representation from Hong Kong:**

- i) We note from Annexure 1.4 that the import data on flax fabrics from Hong Kong are as follows:

Year	Volume (Mtr) (a)	Value (INR) (b)	Rate (b)/(a)	Share
2004-05	633,287	63,947,734	100.98	6.06
2005-06	986,220	89,214,724	90.46	7.80
2006-07	1,259,021	151,366,187	120.23	9.81
2007-08 (POI)	1,321,020	123,413,060	93.42	9.15

- ii) Article 3.2 of the WTO AD Agreement requires the Indian Authority to "*consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in the importing Member*". In this connection, the share of imports from Hong Kong has decreased as compared with the same period last year despite of the increase in total demand (p. 16 of the non-confidential version of petition document).

- iii) According to the data provided in the petition document, we have worked out the imports from Hong Kong in relation to production and consumption in India as follows:

	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08
Import volumes (Lac Mtr)	6.33	9.86	12.59	13.21
Share of Imports in relation to				
• Total Imports in India (%) <sup>2</sup>	6.06	7.80	9.81	9.15
• Demand in India (%) <sup>3</sup>	3.57	4.63	5.67	5.35
• Indian Production (%) <sup>4</sup>	7.97	10.33	11.92	11.83

The above table shows that the imports from Hong Kong have decreased relative to production or consumption in India during the POI as compared with the previous year. Therefore, it cannot be established, or at least is inconclusive, that there has been a 'significant increase' in imports from Hong Kong in relative terms.

About Injury and causal link:

- iv) The petitioner claimed that the performance of the domestic industry deteriorated in terms of production, capacity utilisation, selling price, profits, cash profit and return on investment. Market share declined and inventories increased throughout the injury period. The petitioner concluded that the domestic industry has suffered material injury which has been caused by the dumped imports.
- v) We note that while the demand of the subject product increased throughout the period (increased by 39% from 2004-05 to 2007-08), the capacity of the Indian domestic industry grew at a much higher rate (increased by 74% from 2004-05 to 2007-08). Given that the growth in capacity was almost double of that of the domestic demand, it is not unreasonable to experience decrease in capacity utilisation unless the growth in exports could make up the difference. The logical consequence of over expansion would be declining return on investment, increasing in inventories, and in turn, suppression of selling price. Expansion of capacity also resulted in greater depreciation expenses, which would translate into poor performance on profitability in the event of over expansion.
- vi) From the above, it can be seen that contrary to the assertion made by the petitioner, the injury to the Indian domestic industry might have been caused by at least one other factor i.e. the over expansion of capacity of Indian domestic industry. Thus, it is unfair and unjust to conclude that the injury to the domestic industry, if any, has been caused by the alleged dumped imports.
- vii) We reiterate our view that imports from Hong Kong only accounted for a small percentage of the Indian market, and such imports can only be a price taker instead of a price setter. Stretching further that even in the unlikely event that there were dumping, which we do not see there is any such evidence, imports from Hong Kong would not have been the cause of the alleged injury.
- viii) Hong Kong adopts free trade policy and has been ranked as the world's freest economy for the 14<sup>th</sup> consecutive year by the Heritage Foundation in the Foundation's 2008 Index of Economic Freedom study. Given our open market and highly competitive environment, we believe that Hong Kong companies have neither the incentive nor support to engage in any dumping activities.
- ix) Furthermore, we notice that Hong Kong has not been mentioned in any of the supporting letters from other Indian producers enclosed as Annexure – 2.5 of the petition document. Together with the reasons set

out in the present representations, we consider that the petitionr has failed to provide sufficient and reliable evidence to justify the initiation of the AD Investigation. We urge the Indian Authority to terminate the AD Investigation against Hong Kong immediately.

- x) We reserve our right to make further representations throughout the course of the AD proceedings. We also reserve our right to further pursue the case in accordance with the relevant provisions of the WTO Agreement.

20. Examination by the authority

The authority has gone thru the observations made by the Trade Deptt of Hongkong( HKSARG) in respect of Injury. The Authority notes that the trend analysis needs to be compared from the base year. The trend of imports from Hongkong shows an upward trend from the base year.

21. Conclusion on Injury

A) Cumulative assessment of injury

- i) As per para iii of annexure-II, in cases where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti-dumping investigation, the Authority is required to cumulatively assess effect of such imports, only when it determines that (a) the margin of dumping established in relation to imports from each country is more than 2% expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is 3% of the imports of like article and (b) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic article.
- ii) With a view to assess the conditions of competition between imported products and the conditions of competition between the imported products and the like domestic product, -
- a) The Authority has found that the margin of dumping in respect of each of the subject country is more than 2% and the volume of imports from each country is also more than 3%.
- b) The subject goods have been imported from the subject countries under the same tariff classification;
- c) The Authority has found that the imported subject goods are commercial substitutes of the domestically produced Flax Fabrics.

- iii) In view of the above, the Authority holds that it is appropriate to cumulatively assess the effect of imports of the subject goods on the domestically produced like article in the light of conditions of competition between the imported products and the like domestic product.

B) Imports of subject goods increased significantly in absolute terms. Subject imports increased significantly in relation to total imports into India, production and consumption in India. With regard to price effect, imports were significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market, increase in selling price of the domestic industry were far below than the increase in cost of production resulting in decline in profits and eventually financial losses in 2007-08 from a situation of a reasonable level of profit in the year 2005-06. Price undercutting resulted in price suppression as well as price depression. Performance of the domestic industry in terms of economic parameters improved till 2005-06 and thereafter deteriorated in terms of production, capacity utilization, selling price, profits, cash profit and return on investments. Market share declined and inventories increased throughout the injury period. If sales are segmented, while retail sales of the domestic industry increased, rest of all sales stagnated after 2005-06 and in fact declined in the proposed POI in spite of significant increase in demand of the product in the Country. It is thus evident that the domestic industry has suffered material injury as a result of increased/continued dumped imports from China and Hong Kong.

### **CAUSAL LINK**

22. In order to reach conclusions on the cause of the injury suffered by domestic industry and in accordance with Article 3.5 of Agreement on Anti-Dumping and Para (v) of Annexure-II of Rule 11 of the Indian Rules, the Authority examined the impact of listed known factors and their consequences on the situation of the domestic industry. Known factors other than dumped imports, which could at the same time have injured the domestic industry were also examined to ensure that the possible injury caused by these other factors was not attributed to the dumped imports.

### **Examination of Other Known Factors**

#### **Volume and prices of imports from other sources**

23. The Authority notes imports of product under consideration from other countries are either negligible or the export price is higher.

#### **Contraction in demand and / or change in pattern of consumption**

24. The Authority notes that there is no contraction in the demand during POI. On the contrary, overall demand for subject goods has shown significant positive growth during the injury period. There is no significant change in consumption pattern of the

product in the domestic market, which could be attributed to the injury to the domestic industry.

### **Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers**

25. The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from subject country compete directly with the subject goods produced by domestic industry. Imports of various types of product under consideration are being sold in the same market as goods being sold by the domestic industry. No evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers has come to the notice of the Authority.

### **Development in technology**

26. On the basis of examination of the records, the Authority provisionally holds that development in technology has not been a relevant factor for the injury to the domestic industry.

### **Export performance**

27. The Authority notes that the export volumes of the domestic industry have increased over the injury period. Possible decline in exports volume does not appear to have caused injury to the domestic industry.

### **Productivity of the Domestic Industry**

28. Even though productivity per employee has declined during the investigation period, the same is because of dumped imports preventing full utilization of the capacities. Further, even if the productivity is considered at the same level as that of 2005-06 (when the domestic industry had best profits in the injury period), the provisional conclusion on the injury to the domestic industry would not be different.

### **Conclusion on Causation**

29. In view of the above, the Authority provisionally concludes that injury suffered by the domestic industry due to other factors is non-existent or far too insignificant as compared to injury suffered because of dumped imports. The situation of the domestic industry has shown a material deterioration over the injury period, which was substantially due to dumped imports. Decline in market share of the domestic industry during investigation period as a consequence of increase in dumped import volumes leading to sub-optimal increase in sales volumes, which in turn prevented the domestic industry from improving its production & capacity utilization, price undercutting by dumped imports leading to decline in profits, return on investments and cash flow establishes that injury to the domestic industry was caused by dumped

imports. The Authority provisionally concludes that the domestic industry has suffered material injury due to dumped imports.

### **Magnitude of Injury Margin**

30. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject country and the injury margins have been worked out as follows.

### **Injury margin calculations**

	Rs/Mtr	
	China	Hongkong
Landed price	***	***
NIP	***	***
Injury margin	***	***

### **Indian industry's interest & other issues**

31. The Authority recognizes that imposition of anti-dumping duties might affect the price level of product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantage gained by dumping practices, would arrest the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods. Consumers could still maintain two or even more sources of supply.

32. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

### **Recommendations**

33. The Authority notes that the investigation was initiated, notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporter, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having provisionally established positive dumping margin against the subject country, as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation.

34. Therefore, Authority considers it necessary and recommends provisional anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder.

35. Having regard to the lesser duty rule followed, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry in respect of all imports originating in or exported from China and Hong Kong. Accordingly, provisional antidumping duty equal to the difference between the amount indicated in Col 9 of the table below and the landed value is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Sl No	Sub-Heading	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	9	10	11
1.	53.09	Flax fabric	China	China	Any	Any	204.89	Mtr	Rs
2.		-do-	Any	China	Any	Any	204.89	Mtr	Rs
3.		-do-	Hongkong	Hongkong	Any	Any	205.52	Mtr	Rs
4.		-do-	Any	Hongkong	Any	Any	205.52	Mtr	Rs

For the purposes of this notification, "landed value" means the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and includes all duties of customs except duties levied under sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the said Act;

#### **Further Procedures**

36. The following procedure would be followed subsequent to notifying the Preliminary findings:-

- The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
- Exporter, importers, applicants and other interested parties known to be concerned, are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
- The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

R. GOPALAN, Designated Authority